संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 225
पृष्ठ 8
मंगलवार
06 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मी में शिशुओं को हीट रैश...

विचार- टूटे खेती में घाटे की रीत, किसान...

खेल- कौन सी टीम सबसे ज्यादा बार...

पाकिस्तान के खिलाफ होने जा रहा बड़ा एक्शन!

पीएम मोदी ने की रक्षा सचिव के साथ बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया के बारे में अटकलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात प्रधानमंत्री द्वारा एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह से मुलाकात के एक दिन बाद हुई है। प्रधानमंत्री ने अब तक सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों से मुलाकात की है, क्योंकि केंद्र सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई करेगी, जिस पर 26 निर्दोष लोगों की जान लेने वाले आतंकी हमले में शामिल होने का संदेह है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी में हथियारबंद आतंकवादियों द्वारा 25 पर्यटकों और एक कश्मीरी टट्टू चालक की निर्मम हत्या को 12 दिन बीत चुके हैं। इस हमले की क्रूरता ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी दी है कि आतंकी हमले को अंजाम देने और इसकी साजिश रचने वालों को ऐसी सजा मिलेगी जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों के साथ मिलकर काम करना और भारत पर बुरी नजर रखने वालों को मुंहतोड़ जवाब' देना उनकी जिम्मेदारी है। रक्षामंत्री सिंह ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं और उनकी कार्यशैली, दृढ़ संकल्प और जिस तरह से वह ''जोखिम उठाते'' हैं, उससे वे भली–भांति परिचित हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सिंह ने कुछ भी स्पष्ट किये बिना कहा, ''मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आप जो चाहते हैं, वह निश्चित रूप से होगा।'' सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रहा है। उक्त हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

बीएसएफ ने मेघालय में पांच बंगलादेशी नागरिकों को पकड़ा

शिलांग, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मेघालय में पिछले 24 घंटों के दौरान भारत–बंगलादेश सीमा के पास दो अलग–अलग स्थानों से पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि बंगलादेश के सुनामगंज जिले के दो घुसपैठियों को शनिवार को पूर्वी खासी हिल्स जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ के जवानों ने पकड़ा। गिरफ्तार बंगलादेश घुसपैठियों ने बीएसएफ अधिकारियों को बताया कि वे भारत में नौकरी के अवसरों की तलाश में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर आए थे।

कानपुर में आग लगने से परिवार के पांच सदस्यों की मौत

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कानपुर नगर के चमनगंज इलाके में एक बहुमंजिली इमारत में आग लगने से एक दंपत्ति और उनकी तीन पुत्रियों की मृत्यु हो गयी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि प्रेमनगर इलाके में बीती देर रात एक जूता कारोबारी दानिश की छह मंजिला इमारत में शार्ट सर्किट से आग लग गई। इमारत के भूतल में जूते की फैक्ट्री थी, जबकि परिवार के मालिक और उनके भाई कासिफ का परिवार ऊपरी मंजिलों पर रहते थे। रविवार को फैक्ट्री बंद थी और कासिफ अपनी रिश्तेदारी में जाजमऊ गये थे जबकि दानिश (45) उनकी पत्नी नाजली सबा (42),बेटी सारा (15),सिमरा (12) और इनाया (7) इमारत में मौजूद थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आशंका जताई जा रही है कि देर रात शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग ने केमिकल के ड्रम के कारण जल्द ही विकराल रुप धारण कर लिया और देखते ही देखते गैस सिलेंडर और एसी के कंप्रेसर तेज धमाके के साथ फट गये। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही आसपास की इमारतों को खाली करा लिया गया और करीब 40 दमकल की गाड़ियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरु किया। देर रात करीब दो बजे तीन लोगों के शव निकाले जा चुके थे जबकि तड़के आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया और दो और शव झुलसी हालत में बाहर निकाल गये हैं।

दिल्ली में महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए शुरु हुआ महाअभियान

सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- ज्यादा सॉल्व होंगे केस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए आज महा जनसुनवाई की शुरुआत की गई है। इसकी पहल राष्ट्रीय महिला आयोग ने की है। इसका उद्घाटन राज्य की सीएम रेखा गुप्ता ने किया है, जो कि एक वक्त खुद राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। यह महाजनसुनवाई 5 दिन तक चलने वाली है। इसके तहत सभी पेंडिंग मामलों पर

क्विक एक्शन लिया जाएगा। इस महा जनसुनवाई को लेकर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि ये एक बहुत अच्छी शुरुआत है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली के सभी लंबित मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए यहां 5 दिवसीय शिविर का आयोजन किया है। महिला आयोग की पूरी टीम और महिला आयोग की हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष यहां मौजूद हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मेरा मानना है कि सभी दुखी और परेशान महिलाओं को न्याय मिलना चाहिए। सभी कार्रवाई तेजी से की जा रही है। हम इस बात का संज्ञान ले रहे हैं कि जल्द ही महिला आयोग का गठन किया जाए ताकि उनकी बेहतर सुनवाई हो सके। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली के 1500 लंबित मामलों की सुनवाई के लिए 5 दिन का शिविर लगाया है। दिल्ली सरकार इसमें अपनी पूरी भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम दिल्ली में महिला आयोग बनाने पर ध्यान दे रहे हैं जिससे महिलाओं की सुरक्षा और बेहतर हो सके। वहीं महाजनसुनवाई को लेकर सीएम कहा कि सरकार की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा मामलों की सुनवाई जल्द से जल्द की जाए और सभी महिलाओं को न्याय दिया जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस महा जनसुनवाई में राष्ट्रीय महिला आयोग का पूरा सहयोग करेगी।

पुतिन ने भारत आने का पीएम मोदी का न्योता किया स्वीकार

वार्षिक उच्च स्तरीय बैठक में होंगे शामिल

- पुतिन ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में पूर्ण समर्थन व्यक्त किया

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सालाना उच्च स्तरीय बैठक में शामिल होने के लिए भारत आने वाले हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। सोमवार को दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। क्रेमलिन की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि नेताओं ने आतंकवाद के किसी भी स्वरूप के खिलाफ बिना किसी समझौते के लड़ाई की जरूरत पर जोर दिया। भारतीय नेता ने रूसी राष्ट्रपति को वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। निमंत्रण को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया गया। बयान में कहा गया कि उन्होंने रूसी–भारतीय संबंधों की रणनीतिक प्रकृति पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ये संबंध बाहरी प्रभाव से प्रभावित नहीं हैं और सभी दिशाओं में गतिशील रूप से विकसित होते रहेंगे।

इससे पहले आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पुतिन ने मोदी से यह भी कहा कि रूस आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का पूरा समर्थन करता है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की और भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूर्ण समर्थन देने की बात कही। प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने (पुतिन) इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।' जायसवाल ने कहा कि मोदी तथा पुतिन ने 'भारत–रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत, पांच घायल

भिण्ड, एजेंसी। मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मृत्यु हो गयी और पांच लोग घायल हो गये है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बरोही थाना क्षेत्र में भिण्ड–ग्वालियर नेशनल हाईवे 719 पर कल देर रात कार और बाइक के बीच भिड़ंत हो गई। इस घटना में बिहारीलाल बघेल (40), सुजान सिंह बघेल (50), ऋषिकेश बघेल (22) व महमूद (23) की मौके पर मृत्यु हो गयी। जबकि पांच लोग गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस के अनुसार कठमा गांव निवासी बिहारीलाल बघेल, चाचा सुजान सिंह बघेल और ऋषिकेश बघेल भिण्ड में आयोजित एक फलदान कार्यक्रम में शामिल होकर देर रात मोटरसाइकिल से लौट रहे थे। तेज रफ्तार कार ओवरटेक करते हुए बाइक को टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर के बाद तीनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। कार में सवार महमूद की भी मौके पर मौत हो गई। घटना के समय ग्वालियर से भिण्ड आ रहे विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह गुजर रहे थे।

मुख्य न्यायाधीश खन्ना को सौंपी गई विवादों से घिरे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ जांच रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने के लिए गठित न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंप दी है। उच्चतम न्यायालय की ओर से सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार, समिति ने चार मई को अपनी रिपोर्ट दी। समिति ने तीन मई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया था। रिपोर्ट की विषय–वस्तु और निष्कर्ष अभी तक उजागर नहीं किए गए हैं। इस समिति में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य

न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनु शिवरामन शामिल हैं। न्यायाधीशों की यह समिति न्यायमूर्ति वर्मा के निवास पर 14–15 मार्च की रात को (दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद पर रहने के दौरान) आग लगने की घटना के दौरान उनके सरकारी बंगले के बाहरी हिस्से में नकदी के ढेर मिलने के मामले की जांच की है। विवाद के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय न्यायालय तबादला किये गए न्यायमूर्ति वर्मा आगजनी की घटना के दिन दिल्ली के अपने सरकारी आवास पर मौजूद नहीं थे। के. वीरास्वामी बनाम भारत संघ (1991) में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना किसी उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति वर्मा को 14–15 मार्च की रात अपने आधिकारिक आवास में आग लगने की घटना के दौरान कथित रूप से बेहिसाब धन मिलने के बाद जांच का सामना करना पड़ा। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने 22 मार्च को आंतरिक जांच के तहत समिति गठित करने का आदेश दिया था।

देश की आंतरिक, बाह्य सुरक्षा मसले पर केन्द्र के साथ हैं : ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोहराया है कि आंतरिक और बाह्य सुरक्षा के मुद्दे पर वह केंद्र सरकार के साथ हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने सोमवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह बात कही। वह स्थिति का जायजा लेने के लिए मुर्शिदाबाद के दौरे पर हैं। उन्होंने 11 और 12 अप्रैल को वक्फ विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रभावित लोगों से भी बात की। सुश्री बनर्जी बरहामपुर में रुककर एक प्रशासनिक बैठक करेंगी। वह लोगों से मिलने

के लिए मंगलवार को धुलियान और सुती भी जायेंगी। उन्होंने कहा, " हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि हमारी पार्टी (तृणमूल कांग्रेस) आंतरिक और बाह्य सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार के साथ है। हम यहां फूट डालो और राज करो की नीति नहीं अपना रहे हैं।" सुश्री बनर्जी ने कहा, " मैं मुर्शिदाबाद पहले भी जा सकती थी, लेकिन अगर वहां शांति और स्थिरता नहीं है, तो हमें वहां जाकर अशांति नहीं फैलानी चाहिए। आज मैं वहां जा रही हूं, क्योंकि वहां अब स्थिरता है। मैं बरहामपुर पहुंचकर समीक्षा बैठक करूंगी। कल मैं धुलियान जाऊंगी और जिन लोगों के घर और दुकानें क्षतिग्रस्त हुई हैं, उन्हें जरूरी मुआवजा प्रदान करूंगी।" गौरतलब है कि सड़क मार्ग से मुर्शिदाबाद की सुश्री बनर्जी की यात्रा सीमावर्ती जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध के दौरान सांप्रदायिक हिंसा के लगभग तीन सप्ताह बाद हुई है। यह विरोध प्रदर्शन 11 अप्रैल को हिंसक हो गया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये।

संतों के आशीर्वाद से होगा श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण, सत्य की होगी जीत: महेन्द्र प्रताप

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी जी महाराज और श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप के बीच वृन्दावन में हुई गहन चर्चा, अयोध्या में भी मुक्ति न्यास कर रहा संतों के बड़े संवाद की तैयारी

मथुरा। अयोध्या में भगवान श्रीराम जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जल ग्रहण कर उनका उपवास तुड़वाने वाले श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी जी महाराज से श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने फोगला आश्रम में मुलाकात की।

दोनों के मध्य करीब आधे घंटे हुई गहन वार्ता के केंद्र में श्री कृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह मस्जिद का विवाद रहा। स्वामी जी ने मुक्ति न्यास अध्यक्ष को सफलता का आशीर्वाद देते हुए कहा कि चिंता न करें। जल्द इसे भी देखा जाएगा।

श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी जी महाराज की वृंदावन के फोगला आश्रम में श्रीमद्भागवत कथा चल रही। न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने स्वामी जी को बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.37 एकड़

जमीन है। इसपर भगवान श्रीकृष्ण का एक विशाल मंदिर बना था, जिसको आक्रांता मुगल औरंगजेब ने ध्वस्त कराकर करीब ढाई एकड़ हिस्से में मस्जिद का निर्माण करवाया था। मस्जिद श्रीकृष्ण जन्मभूमि (मूल गर्भ गृह) के ऊपर बनी हुई है। इसे वहां से हटवा कर उस स्थान पर एक विशाल भव्य मंदिर निर्माण कराने की मांग को ले कर न्यायालय मुकदमा विचाराधीन है और वह उस मुकदमा के वादी हैं।

महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने स्वामी जी को यह भी बताया, शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किए जाने की मांग को लेकर उन्होंने पूर्व में कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर मुस्लिम पक्ष ने अपनी आपत्ति व्यक्त की थी, अब उसका जबाव छह मई को कोर्ट में दिया जाएगा।

इसकी मजबूती से तैयारी की गई है। उन्होंने स्वामीजी को यह भी जानकारी दी कि इसका आधार अयोध्या की बाबरी मस्जिद मामले का निर्णय आने से पहले कोर्ट ने ही मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किया था। उन्होंने संत को बताया कि सत्य की जीत होगी और भगवान श्री कृष्ण का मंदिर बनेगा। उन्होंने कोर्ट में प्रस्तुत किए जाने वाले साक्ष्यों की जानकारी देते हुए आगामी रणनीति से भी अवगत कराया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव जी महाराज ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट से कोर्ट द्वारा अब तक इस मामले को लेकर के दिए गए एक एक आदेश निर्देशों की भी जानकारी मांग ली और जन आंदोलन की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की। न्यास के अध्यक्ष ने बताया कि वृंदावन में पिछले साल नवम्बर में बुलाई गई धर्म संसद में देश विदेश के प्रमुख साधु संतों ने भागीदारी की थी। उसके बाद ही जनवरी में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्य द्वार से हस्ताक्षर अभियान आरंभ किया। छह करोड़ से ज्यादा लोगों ने अपने हस्ताक्षर कर हमारे आंदोलन को समर्थन दिया है, यह अभियान अभी जारी है। स्पेन और ऑस्ट्रेलिया में आंदोलन आरंभ हो गया है, अगस्त में इंग्लैंड के लंदन में बड़ा आंदोलन शुरू किए जाने की तैयारियों अंतिम दौर में चल रही है। न्यास अध्यक्ष ने महाकुंभ महासंवाद और धर्मसंसद में लिए गए निर्णयों की भी जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी जी को दी। स्वामी जी ने न्यास के अध्यक्ष को आंदोलन की सफलता का आशीर्वाद देते हुए कहा कि हमारा आशीर्वाद आपके साथ है।

सीपीआई (एम) के नेता अंबिका मिश्रा को याद किया

प्रयागराज। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने पार्टी के पूर्व जिला मंत्री अंबिका मिश्रा की याद में सभा की। शंकर लाल मेमोरियल हाल में शनिवार को आयोजित स्मृति सभा में वक्ताओं ने अंबिका मिश्रा के जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि अंबिका मिश्रा का जीवन किसान, मजदूर के लिए समर्पित रहा। अंबिका मिश्रा पार्टी के पूर्णकालिक कार्यकर्ता थे। हरिश्चंद्र द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित सभा में अखिल विकल्प ने संचालन किया। विक्रम सिंह, हीरालाल यादव, रवि मिश्र, खेत मजदूर यूनियन के राज्य सचिव बृजलाल भारतीय, सीटू के राज्य सचिव प्रेमनाथ राय, किसान सभा के राज्य कोषाध्यक्ष बाबूराम यादव, भाकपा जिला मंत्री नसीम अंसारी, भाकपा माले के नेता अनिल वर्मा, लोकतांत्रिक जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जुबैर अंसारी, एसयूसीआई (सी) के नंदलाल गुप्ता, अम्बिका मिश्र के पौत्र दिवाकर, प्रमोद, इविवि के शिक्षक सूर्य नारायण, सुभाष पांडेय, अनन्त बहादुर, एसपी शर्मा, शीतला प्रसाद, सुधीर सिंह, जयलाल सरोज, इंद्रजीत पाल, सुखदेव, गायत्री गांगुली, विकास स्वरूप, भूपेंद्र पांडे आदि सभा को संबोधित किया।

स्कार्पियो के साथ तीन वांछित गिरफ्तार

प्रयागराज। नवाबगंज थाने की पुलिस ने बीते दिनों स्कार्पियो के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत के मामले में तीन वांछित आरोपियों को खुदा बक्श का पुरा राजा के समीप गिरफ्तार किया। उनके पास से स्कार्पियो भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, बीते 30 अप्रैल को प्रतीक कुमार उर्फ मोनू सरोज निवासी ग्राम मोहरब थाना नवाबगंज अपने दो साथियों के साथ कस्बा नवाबंगज में निमंत्रण में गया था। जहां किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। प्रतीक देर रात लगभग दो बजे अपने दोनों साथियों के साथ बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में आनापुर स्थित रेलवे क्रासिंग के पास रामेश्वर सरोज, विनोद और राजेश कुमार (सभी निवासी ग्राम बरना थाना हथिगंवा प्रतापगढ़) ने जानबूझकर स्कार्पियो से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घायल प्रतीक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

आटो चालक निकला शातिर चोर गिरोह का सदस्य

प्रयागराज। बीते 28 अप्रैल को दो लाख रुपये नकदी व सोने–चांदी के जेवरात चोरी के मामले में नैनी पुलिस एक शातिर चोर को पकड़ा। पुलिस के हत्थे चढ़ा आटो चालक राजू केसरवानी शातिर चोर गिरोह का सदस्य निकला। पुलिस आरोपी राजू केसरवानी से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, थाना सरायममरेज क्षेत्र के घमहां कटहरा निवासी अजय कुमार मिश्रा ने आटो में सवार होने के बाद दो लाख रुपये नकदी व सोने–चांदी के जेवरात चोरी होने की एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश में जुटी थी। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर आटो चालक राजू केसरवानी निवासी अकोढ़ा थाना कौधियारा को नैनी से गिरफ्तार किया गया। उसकी तलाश में एक हजार रुपये नकदी बरामद हुई। आरोपी राजू ने पूछताछ में बताया कि वह छिवकी रेलवे स्टेशन पर आटो चलाता है। गिरोह के तीन–चार अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं।

शो पीस बनी हैं स्वास्थ्य विभाग की कई परियोजनाएं

प्रयागराज। महाकुम्भ में स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर के अस्पतालों में कायाकल्प के लिए कई परियोजनाएं संचालित की गयी थीं। लेकिन महाकुम्भ के बीते हुए दो माह गए लेकिन कई कॉल्विन, बेली और टीबी अस्पताल में कई योजनाएं अभी मरीजों की पहुंच से दूर हैं। इसमें सबसे प्रमुख महाकुम्भ मेला बजट से कॉल्विन अस्पताल में बने 14 नए प्राइवेट वार्ड हैं। 249.88 लाख रुपये की लागत से बने प्राइवेट वार्ड के कमरों में ताला लगा है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त प्राइवेट वार्ड में अभी डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टॉफ की तैनाती न होने के कारण कमरे उपयोग में नहीं आ रहे हैं। प्राइवेट वार्ड का शुभारंभ तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. माया देवी ने नौ, जनवरी–2025 को किया था। लेकिन उसके बाद से इसमें किसी मरीज को अभी भर्ती नहीं किया गया। प्राइवेट वार्ड के संचालित न होने की मुख्य वजह असपताल में 80 से अधिक नर्सों की नियुक्ति न होना है।

एसआरएन में एंबुलेंस भी बीमार, लगाना पड़ रहा धक्का

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में जीवन रक्षक मानी जाने वाली एंबुलेंस भी बीमार है। कौन सी एंबुलेंस कब खराब हो और उसे कब धक्का देना पड़े इसका कोई अंदाजा नहीं है। यहां तक कि यदि मरीज को लाने व ले जाने के समय अचानक

रास्ते में खराब हो जाए तो मरीज की जान बचाना मुश्किल होगा। शनिवार को एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में मरीज को लेकर आई एक एंबुलेंस अचानक खराब हो गयी है। स्टार्ट न होने की स्थिति में चालक, ईएमटी सहायक और आसपास के लोगों ने धक्का लगाकर एंबुलेंस को पोस्टमार्टम हाउस के पास पार्किंग में पहुंचाया। असपताल में पांच एंबुलेंस खड़ी हैं जिसमें तीन खराब हैं। साथ ही एक एंबुलेंस को ड्राइवर न होने के कारण उसका उपयोग नहीं हो रहा है।

पंचायतों के रिक्त पदों के लिए मतगणना शुरू

प्रयागराज। पंचायतों के रिक्त पदों के लिए मतगणना शुरू हो चुकी है। मतगणना ब्लॉक मुख्यालयों पर हो रही है। कौंधियारा में तीन रिक्त प्रधान पर और बहरिया में एक रिक्त प्रधान पद के लिए मतदान दो मई को हुआ था। मतदान के बाद मतपेटियों को ब्लॉक मुख्यालय में रखा गया। सोमवार सुबह आठ बजे ब्लॉक मुख्यालयों में मतगणना शुरू हो गई है। परिणाम शाम तक आने की संभावना है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी एसपी बरनवाल का कहना है कि प्रधान के तीन पदों के साथ ही सदस्य क्षेत्र पंचायत के एक रिक्त पद के लिए भी मतदान हुआ था। इसका परिणाम भी सोमवार शाम तक आएगा।

प्रोटीन का अधिक सेवन गुर्दे के लिए हानिकारक: डॉ. अमित

प्रयागराज। एएमए के 16वें वार्षिक कॉलेज ऑफ जनरल प्रैक्टिशनर्स सेमिनार में रविवार को जुटे देश के नामचीन गुर्दा रोग विशेषज्ञों ने गुर्दे की बीमारी और निदान पर केंद्रित शोध पत्र भी प्रस्तुत किए।

एसजीपीजीआई के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अमित गुप्ता ने कहा कि प्रोटीन का अधिक सेवन भी गुर्दे के लिए हानिकारक है। यदि गुर्दे की बीमारी के लक्षण दिखें तो प्रोटीन कम कर देना चाहिए।

फास्ट फूड का सेवन यदि करते हैं तो व्यायाम जरूर करें। ऐसा न करने से दोनों गुर्दे एक साथ खराब हो सकते हैं।

शोध से पता चला है कि दस में एक व्यक्ति को गुर्दे की बीमारी होती है लेकिन यह बीमारी इतनी साइलेंट होती है कि अंतिम स्टेज में जाकर पता चलती है।

यदि दवा से तत्काल नियंत्रित नहीं होगा तो डायलिसिस ही अंतिम विकल्प होता है। मधुमेह, बीपी और मोटापा से गुर्दे के बीमारी की अधिक प्रभावित करती है।

मांग रहे थे नाला, टूटने लगे मकान देखने पहुंचे सांसद

प्रयागराज। झलवा स्थित मुबारकपुर कोटवा के लोग गांव के पानी निकासी के लिए रेलवे की जमीन पर नाला निर्माण की मांग कर रहे हैं। रेलवे ने अपनी जमीन पर बने तीन मकानों को तोड़ दिए। रेलवे लाइन किनारे एक दर्जन मकानों पर लाल निशान लगाया गया है। निशान लगने के बाद गांव में खलबली मच गई है। फूलपुर के सांसद प्रवीण कुमार पटेल रविवार को गांव का दौरा करने पहुंचे तो रेलवे की तरफ से की गई कार्रवाई का पता चला। प्रयागराज–नई दिल्ली खंड पर गांव के बीच से चौथी लाइन बिछाई गई। इससे गांव के गंदे पानी की निकासी रुक गई।

जलभराव होने लगा तो गांव के लोगों ने नाला बनाने की मांग की। गांव की समस्या को ध्यान में रखकर नगर निगम ने रेलवे की जमीन पर

नाला निर्माण शुरू कर दिया। इसकी जानकारी होने पर बगैर एनओसी के नाले के निर्माण को एनसीआर के प्रयागराज मंडल ने रुकवा दिया। नाले के निर्माण की अनुमति देने के लिए प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने मंडल रेल प्रबंधक को पत्र लिखा।

नाला निर्माण के लिए नगर निगम ने भी एनओसी मांगी। गांव के लोगों ने बताया कि एक दिन रेलवे की टीम ने लाइन किनारे मकानों के हिस्से तोड़ने का अल्टीमेटम दिया। गांव वालों के अनुसार एक मई को कुछ लोग आए और रेलवे लाइन किनारे बने तीन मकानों का हिस्सा तोड़ दिया। बाकी मकानों पर लाल निशान लगाकर 72 घंटे में तोड़ने का अल्टीमेटम दिया।

सांसद प्रवीण पटेल गांव में पहुंचे तो लोगों ने जल निकासी की समस्या और मकान तोड़ने की जानकारी दी। नगर निगम कार्यकारिणी के पूर्व उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि सांसद ने रेलवे लाइन किनारे प्रयागराज मंडल के अधिकारियों से बात कर कार्रवाई रोकने का आग्रह किया। सांसद ने अधिकारियों को कहा कि लाइन किनारे कई परिवार चार पीढ़ियों से रह रहे हैं।

सेवा के अभाव में पिता की मौत, अब बेटी नर्स बन करेगी सेवा

प्रयागराज। धूमनगंज की रहने वाली कविता के पिता की चार साल पहले वर्ष 2021 में कोरोना से मृत्यु हो गई थी। 16 साल की कविता की मां की मृत्यु वर्ष 2017 में बीमारी के कारण हुई थी। जिस वक्त पिता की मौत हुई कविता खुद टीबी पीड़ित थी। ऐसे में पिता की सेवा का अवसर भी ठीक से नहीं मिल सका। माता–पिता का साया सिर से उठने के बाद उसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था। सरकारी मदद मिली तो कविता ने पढ़ाई की। आज वह जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। कविता नर्स बनकर बीमारों की सेवा करना चाहती है।

आज से चार साल पहले कोरोना की दूसरी लहर को शायद ही कोई भूला हो। जिले में 453 ऐसे बच्चे थे, जिन्होंने अपने माता या पिता को खो दिया था। प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार ने इन बच्चों की मदद की तो आज इसमें से 71 बच्चे या तो अपने पांव पर खड़े हो चुके हैं या फिर कॅरियर की राह पर आगे बढ़ चुके हैं।

दारागंज निवासी जल निगमकर्मी की मौत पर भी परिवार पूरी तरह से टूट गया था। आज बेटा पिता की जगह पर काम कर रहा है। मुट्ठीगंज के महेंद्र के माता–पिता दोनों की मौत कोरोना में हुई और 23 वर्षीय बहन साथ थी। आज वह गाजियाबाद से बीबीए द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। ऐसे ही कीडगंज के राजेश के पिता की मृत्यु हो गई थी। रोज कमाने खाने वाले परिवार के पास आर्थिक तंगी थी। आज राजेश होमगार्ड बन गया है। सरकारी मदद से मिली नई राह कोरोना के दौरान जब बड़े पैमाने पर मौत हुई तो प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की शुरुआत की थी। जिसके तहत माता या पिता को खोने वाले बच्चों को पालन पोषण के लिए 18 वर्ष की आयु तक चार हजार रुपये प्रतिमाह दिया जा रहा है। जबकि माता और पिता दोनों को खोने वालों को प्रधानमंत्री केयर योजना से भी जोड़ा गया था। इनके खाते में 18 वर्ष की आयु तक सरकार ने 10 लाख रुपये जमा किए। 18 से 21 साल की उम्र तक मासिक ब्याज निकालने का पात्रों को अधिकार था। जबकि 21 वर्ष पूरे होने के बाद 10 लाख रुपये की राशि ये लोग निकाल सकते हैं। आज 372 बच्चे सरकार की योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। जिस वक्त कविता के पिता की मौत हुई थी, वो खुद टीबी से पीड़ित थी। आज वो जीएनएम तीतृय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। हमारे विभाग की ओर से 453 बच्चों को योजनाओं का लाभ दिया गया था। आज 372 बच्चे ही बचे हैं। हम सभी से लगातार उनका हाल जानते रहते हैं। कई बच्चे अपने पांव पर खड़े हो गए तो कुछेक आगे पढ़ाई कर रहे हैं। सर्वजीत सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी

संगम में दो महीने के अंदर सात लोगों की डूबने से हुई मौत

प्रयागराज। प्रदीप शर्मा महाकुम्भ मेला के दौरान संगम तट पर चौबीस घंटे सुरक्षा का पहरा लगा था। जल पुलिस के साथ ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व गोताखोरों की टीम गश्त करती दिख रही थी। लेकिन मेला के साथ ही संगम में सुरक्षा इंतजाम भी खत्म हो गया। सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से मात्र दो महीने के अंदर सात लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। महाकुम्भ मेला समाप्त होने के बाद भी स्थानीय के साथ ही गैर प्रांतों व जिलों से स्नानार्थियों के संगम तट पर आने का सिलसिला जारी है। संगम में आस्था की डुबकी लगाने की चाह लिए आने वाले लोगों को अंदाजा नहीं लगता और गहरे जल में चले जाते हैं। यही वजह है कि मात्र दो महीने के अंदर अब तक सात लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। इसमें प्रयागराज सहित गैर प्रांतों के स्नानार्थी भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो संगम तट पर सिर्फ डीप बैरिकेडिंग कर छोड़ दिया गया है। घाट किनारे जल पुलिस का एक भी जवान नहीं दिखता है। गैर प्रांतों से आने वाले स्नानार्थी और युवा छात्र डीप बैरिकेडिंग के आगे नहाने चले जाते हैं। इससे गहरे पानी में जाने से उनकी मौत हो रही है। जबकि स्नानार्थियों की सुरक्षा के लिए संगम तट से चंद कदम दूर जल पुलिस की चौकी स्थापित हैं। पुलिस चौकी पर चौबीस घंटे पुलिसकर्मियों की ड्यूटी रहती है। साथ ही पुलिसकर्मियों को घाट पर गश्त कर स्नानार्थियों को गहरे पानी से जाने से रोकने की भी जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन, सिर्फ कागजों पर ड्यूटी और सुरक्षा इंतजाम चल रहे हैं। उधर, डीसीपी नगर अभिषेक भारती का कहना है कि संगम तट पर स्नानार्थियों की सुरक्षा के लिए जल पुलिस व स्थानीय पुलिस को चौकसी रखने का निर्देश दिया गया है। घाट पर जवानों की ड्यूटी भी निर्धारित है। यदि लापरवाही बरती जा रही है, तो दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी। दो महीने में सात लोग डूबे 01 मई रू संगम तट पर बैरहना निवासी 17 वर्षीय अजय कुमार व 16 वर्षीय रौनक की डूबने से मौत। 16 अप्रैल रू संगम में स्नान के दौरान कानपुर के 21 वर्षीय हर्ष शर्मा की डूबने से मौत हो गई। 16 अप्रैल रू ईसीसी कॉलेज के बीएससी छात्र अमन यादव की यमुना में डूबने से हुई मौत। 14 मार्च रू जम्मू कश्मीर के डोडा जिले के 25 वर्षीय अजीत शर्मा व 24 वर्षीय विजय शर्मा डूबे।

कैंट हॉस्पिटल में अब न्यूरो का भी इलाज

प्रयागराज। प्रयागराज के कैंट हॉस्पिटल में अब न्यूरो का भी इलाज होगा। मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी जैसे इलाज के लिए अस्पतासल प्रबंधन नई दिल्ली के एक प्रतिष्ठित न्यूरो सर्जन डॉ. रवि प्रसाद की मदद लेगा। न्यूरो सर्जन हर शुक्रवार को सुबह 10

से दोपहर 12 बजे तक मरीजों का टेलीफोन के जरिए इलाज करेंगे। हाल ही में कैंट हॉस्पिटल में कैंसर का इलाज शुरू हुआ है। कैंसर का पहला ऑपरेशन एक महिला का हुआ। कई मरीजों को कीमोथेरेपी भी की गई है। कैंसर के इलाज के लिए अस्पताल प्रबंधन लखनऊ के एक निजी अस्पताल से करार किया है।

बालपन की कविता पहल के आवेदन की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित श्बालपन की कविता पहलः भारतीय बाल कविता/छंदों के संरक्षणश प्रतियोगिता के आवेदन की अंतिम तिथि 23 मई तक

बढ़ा दी गई है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर अधिक से अधिक बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रतियोगिता में प्री–प्राइमरी (आयु 3–6), ग्रेड 1 (आयु 6–7) और ग्रेड 2 (आयु 7–8) के बच्चे अपनी प्रविष्टियां भेज सकते हैं। प्रविष्टियां सभी भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में भी भेजी जा सकती हैं। इसमें भारतीय संदर्भ में सांस्कृतिक महत्व वाली क्षेत्रीय कविताएं शामिल हो सकती हैं।

अनंत आज से शुरू करेंगे दुर्गम चोटी का अभियान

प्रयागराज। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रशिक्षक और प्रयागराज निवासी 23 वर्षीय अनंत सिंह राजपूत सोमवार की शाम से एक और दुर्गभ अभियान पर निकलने वाले हैं। अनंत की

अगुवाई में तीन सदस्यीय पर्वतारोहियों का दल हिमाचल प्रदेश की सबसे ऊंची पर्वत चोटी धौलाधर रेंज फतह करने के लिए निकलेगा। यह चोटी कुल्लू जिले की पहाड़ियों में 19626 फीट की ऊंचाई पर है। जिसे पांच दिनों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके पहले अनंत 30 अप्रैल को अपने छह सदस्यीय दल के साथ फ्रेंडशिप वीक चोटी पर 17346 फीट ऊंची पहाड़ी पर फतह हासिल कर चुके हैं।

नोटिस जारी की गई, दो दिन में मांगा जवाब

प्रयागराज। रसूलपुर और गौसनगर में गोशालाओं पर कब्जा करने वालों को नोटिस निर्गत कर दी गई है। दो दिन के अंदर सभी को जवाब देना होगा। जिसके बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। रसूलपुर और गौसनगर इलाके में दबंगों ने गोशाला की जमीन पर भी कब्जा कर लिया है। इन लोगों ने यहां पर निर्माण शुरू करा दिया, जिसके बाद गोवंशों को ही एक छोटी सी जगह रहना पड़ रहा है। मामले की शिकायत पर प्रशासन ने जांच बैठा दी है। जिसमें प्रशासन, पीडीए और राजस्व के अफसर शामिल हैं। रसूलपुर गोशाला में पिछले दिनों लोगों ने कब्जा शुरू कर दिया। निर्माण शुरू हुआ और यहां से गोशाला का बोर्ड तक हटा दिया गया। जिसकी शिकायत क्षेत्रीय लोगों ने जिलाधिकारी के यहां की। जिलाधिकारी ने शिकायत पर जांच समिति गठित की। इसमें सीआरओ कुंवर पंकज, एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह और पीडीए के अफसरों को नामित किया। डीएम की गठित टीम ने जब राजस्व अभिलेखों से मिलान कराया तो जमीन गोशाला के नाम पर ही दर्ज पाई गई। प्रशासनिक अफसरों का कहना है कि चिह्नाकंन करा दिया गया है। किसने–किसने कब्जा किया है और कब्जेधारकों का पूरा ब्योरा निकालकर सभी को नोटिस जारी कर दिया गया है।

74 एआरपी के चयन को सात तक मांगे आवेदन

प्रयागराज। एकेडमिक रिसोर्स पर्सन के 74 रिक्त पदों पर चयन के लिए दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने अध्यापन के पांच साल पूरा कर चुके शिक्षकों से सात मई की शाम पांच बजे तक आवेदन मांगे हैं। आवेदन रजिस्टर्ड डाक से समग्र शिक्षा अभियान कार्यालय मम्फोर्डगंज फव्वारा चौराहा पर भेजे जाने हैं। तीन चरणों में कुल 100 अंकों की परीक्षा के बाद चयन होगा। इसमें 60 अंकों की विषयवार लिखित परीक्षा, 30 अंकों की माइक्रो टीचिंग और दस अंकों का साक्षात्कार शामिल है।

संचेतना की काव्य गोष्ठी संपन्न

प्रयागराज सष्संचेतनाष के तत्वावधान में 29 अप्रैल की शाम को सर पी सी बनर्जी छात्रावास के सभागार में एक काव्य गोष्ठी आयोजित हुई. इसी दिन सुनील विक्रम सिंह का जन्मदिन भी था. यह गोष्ठी साहित्य और संगीत का सुखद समन्वय थीस डॉक्टर मंजू ने लता मंगेशकर के गीत श रहे न रहें हम,महका करेंगेष को गायासडॉक्टर सुनील विक्रम सिंह ने रफी और मुकेश के एक एक गीतों को गाया। वरिष्ठ गीतकार डॉक्टर वीरेंद्र तिवारी

की अध्यक्षता में एक काव्य गोष्ठी हुई. चन्द्रशेखर कुशवाहा ने श आखिर क्यों चुना मैंने श कविता का पाठ किया.सौरभ मिश्र ने पढ़ा ष लगी है आग बस्ती में,क ई घर खाक होंगे हम.ष चेतना सिंह ने षपिता का आत्मबल श कविता का पाठ किया.अम्बुज यादव ने झुमके पर गजल के कुछ शेर पढ़े.डॉक्टर गीता सिंह ने पढ़ा ,ष्खूशबू वाले घर कैसे हैं। डॉक्टर अर्चना त्रिपाठी ने श,उधार बाकी हैष कविता का पाठ किया. श्रीरंग ने पढ़ा,ष सबके होते हैं अपने अपने राम, सबकी अपनी राम कहानी होती है.ष डॉक्टर वन्दना शुक्ल ने पढ़ा,ष्सृजन गूलर के फूल हो गये.ष सुनील विक्रम सिंह ने ष्उदास शाम ष कविता का पाठ किया. डॉक्टर गणेशन ने पढ़ा,ष्अश्क की बारिश हुई और नक्श सारे बह गये.ष देवेश पाण्डेय और मुकुल मतवाला ने भी काव्य पाठ किया. कार्यक्रम का संचालन युवा कवि देवेश पाण्डेय ने किया. गोष्ठी में उपस्थित थे रू आशुतोष मिश्र, धर्मराज यादव, रमाशंकर सिंह, आयुष कुमार, बालकों सिंह, साहिल आदि।

नोडल अधिकारी ने मेधावी छात्र छात्राओं सहित शिक्षकों को किया सम्मानित

शैक्षिक बिंदुओं के पालन करने को दिए निर्देश

मथुरा। बलदेव में सोमवार को माध्यमिक शिक्षा नोडल अधिकारी डॉक्टर अखिलेश यादव की अध्यक्षता में क्षेत्र के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की बैठक आयोजित की गई।बैठक में क्षेत्र के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में जनपद की टॉप टेन की सूची में शामिल छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में निरंतर योगदान करने ,छात्रों की प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करने के लिए प्रोत्साहित और सम्मानित किया गया। नोडल अधिकारी डॉक्टर अखिलेश यादव ने शैक्षिक कार्य बिंदुओं पर अमल करने को सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया और कहा कि कोई भी विद्यार्थी नवीन पंजीजकरण को छुटे नहीं,मान्यता प्राप्त विषयों में

ही छात्रों को प्रवेश देना,शैक्षिक पचांग का अनुपालन सुनिश्चित करना,समय अंतर्गत प्रॉजेक्ट अलंकार अटल टीकरिंग लैब में समय से आवेदन करना,अपार आई डी , पेन नंबर अनिवार्य रूप से जनरेटर करना, अभिभावकों को विद्यालय शुल्क से अवगत कराना,मान्यता प्राप्त एन सी आर टी की किताबों को ही लागू करना,मानव संपदा पोर्टल पर विद्यालय, विद्यार्थियों की प्रोफाइल तैयार करना तथा मार्कशीट,टी.सी. के नाम कोई भी अवैध शुल्क वसूल नहीं करना है। निर्देशों का पालन न करने पर कार्यवाही की जाएगी।इस अवसर पर जिला कॉर्डिनेटर श्यामसुंदर शर्मा,शिवाजी सिंह, जितेंद्र मिश्रा, भगवत प्रसाद चौहान, सुधाकर उपाध्याय, कोमल चौधरी,कृपा शंकर द्विवेदी, आदेश द्विवेदी,अर्चना रानी,बीना सिंह,लीना गौतम, श्वेता पांडेय, मीनू शर्मा, चित्रा सिंह, बृजेश अग्निहोत्री,केपी सिंह, भवानी शंकर जांगिड़, पवन कुमार प्रजापति आदि शिक्षक एवं इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

विश्वनाथ के लेखिका मनीषा पाल को 'मनस्वी' उपनाम से अलंकृत

विश्वनाथ। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी तेजपुर (भारत) की दसवां स्थापना दिवस के अवसर पर 3 एवं 4 मई 2025 को भव्य कार्यक्रम की आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम तेजपुर के मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला में आयोजित देश भर से प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं सांस्कृतिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया जहाँ पूर्वात्तर हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा विश्वनाथ (असम) की मनीषा पॉल को उनके साहित्यिक योगदान हेतु ष्मनस्वीष उपनाम से अलंकृत किया गया। यह सम्मान दिल्ली से सुधाकर पाठक , कानुपर से डॉ जयप्रकाश अंकुश एवं रीता सिंह सर्जना (अध्यक्षा,पूर्वत्तर साहित्य अकादमी) जी के कर कमलों से मनीषा पॉल जी को अलंकार प्रदान किया गया।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने उठाई आवाज, बुजुर्ग को मिला न्याय

विद्युत विभाग ने हटवाया बिजली का खम्भा, भाजपा नेत्री कर रही थी बुजुर्ग को परेशान

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी द्वारा पीड़ित बुजुर्ग की आवाज उठाकर लड़ी गई लड़ाई सुखद सपरिणाम के साथ पूर्ण हुई है। एक भाजपा नेत्री द्वारा बुजुर्ग के साथ दबंगई करते हुए नीले ड्रम में भरवाने की धमकी देकर भयभीत किया गया और उनके घर के सामने ही गलत तरीके से विद्युत पोल लगवाकर मानसिक उत्पीड़न भी किया गया। अब विद्युत विभाग ने बुजुर्ग के घर के समक्ष लगा विद्युत पोल हटवा लिया है।

राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने मीडिया कर्मियों से बातचीत में बताया कि पिछले दिनों शहर के मौहल्ला द्वारिकापुरी की गली नम्बर एक में परिवार के साथ रहने वाले 76 वर्षीय विपिन कुमार पुत्र डॉ. भगवत शरण ने संस्था को अवगत कराया था कि उनके पड़ौस में रहने वाली भाजपा नेत्री रोशनी पांचाल आये दिन उनके साथ अभद्रता करती है और गाली गलौच कर झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी जाती है। उनके घर के बाद दूसरी ओर एक विद्युत पोल लगा हुआ था, रोशनी पांचाल ने अपने प्रभाव का प्रयोग कर उसको उनके मकान के कोने पर गलत ढंग से लगवा दिया।

इसकी शिकायत विद्युत विभाग के अधिकारियों और प्रशासन से करने के बावजूद भी बुजुर्ग विपिन कुमार को न्याय नहीं मिल रहा था।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि संस्था ने उनकी मदद कर इस मामले में अधिकारियों से सम्पर्क किया और इंसाफ की मांग की। अब विद्युत विभाग की टीम ने सर्वे करते हुए विद्युत पोल को गलत पाया और उसको उखाड़ कर सामान साथ ले गये हैं। बुजुर्ग को इंसाफ मिला है। उन्होंने कहा कि समाधान होने पर हम पर अधिकारियों का भी आभार व्यक्त करते हैं, लेकिन इस बीच बुजुर्ग विपिन कुमार को यह भय भी बना हुआ है कि उनके पड़ौस में रहने वाली भाजपा नेत्री रोशनी पांचाल भविष्य में उनके खिलाफ रंजिशन कुछ भी गलत कर या करा सकती है। हम चेतावनी देते हैं कि इनको या इनके परिवार को परेशान किया गया तो बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने भाजपा नेत्री से भी एक बहन और बेटी होने के नाते यह अपील की है कि वो अपना पड़ौसी धर्म निभाकर बुजुर्ग विपिन कुमार की मदद करें और मिलजुलकर रहें। समस्या निपटने पर बुजुर्ग विपिन कुमार ने सामाजिक संस्था की पूरी टीम का साथ देने के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि वो यही चाहते हैं कि भविष्य में किसी प्रकार का लड़ाई झगड़ा न हो।

पार्षद ने खा लिया हाउस टैक्स का रुपया, नगर निगम अधिकारी का आरोप

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ नगर निगम जोन– 5 के पंडित खेड़ा में लगे हाउस एसेसमेंट कैंप में पार्षद प्रतिनिधि और नगर निगम के अधिकारी आमने–सामने आ गए। निगम अधिकारियों ने कहा पार्षद ने हाउस टैक्स के मद में आए रुपए को खा लिया है। इस पर पार्षद प्रतिनिधि ने कैंप बंद करा दिया। स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि संजय गुप्ता का आरोप है कि नगर निगम के अधिकारियों ने बिना सूचना दिए क्षेत्र में कैंप लगाया। वहीं गलत बयान देकर क्षेत्र के पार्षद के सम्मान को ठेस पहुंचाई है। छवि को धूमिल किया है। उन्होंने बताया क्षेत्र में 2024 से प्रॉपर्टी टैक्स जमा होना था, लेकिन कई लोगों का नगर निगम के अधिकारियों ने 2019 से टैक्स जमा कर दिया। कैंप में जब लोगों ने

पूछा कि पहले का पैसा क्या होगा ? आरोप है इसपर नगर निगम के अधिकारियों ने कहा यह पैसा पार्षद के पास चला गया। उन्होंने इसे खा लिया। सरोजनी नगर प्रथम से भाजपा पार्षद गीता देवी के प्रतिनिधि संजय गुप्ता ने मामले में नगर आयुक्त गौरव कुमार और मेयर सुषमा खर्कवाल से पत्र लिखकर शिकायत की है। उनका कहना है कि बिना सूचना के कैंप लगाने की बात कहने पर अधिकारियों ने खेद व्यक्त किया है। उनका कहना है कि कर अधीक्षक की तरफ से क्षेत्र में कैंप लगाया गया था। इस दौरान एक समिति को जानकारी दी गई, जबकि स्थानीय जनप्रतिनिधि को मामले की कोई जानकारी नहीं दी गई। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक नगर की तरफ से शिखा कॉस्मेटिक पंडित खेड़ा में कैंप लगाया गया था। इसमें करीब 260 फॉर्म जमा हुए हैं। इसमें कई लोगों के फॉर्म हैं। जिनका टैक्स 2019, 2020, 2021, 2022 से लगा दिया गया था। यह कैंप नगर निगम ने पंडित खेड़ा समग्र आवास विकास समिति के सहयोग से लगाया था। पंडित खेड़ा समग्र आवास विकास समिति के उपाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा–पिछले साल पार्षद ने तीन कैंप लगवाए थे। इसमें 2019 से अवैध तरीके से वसूली हुई। मामले में त्ज्प लगाने पर 2024 से टैक्स लगाने की बात हुई। नगर आयुक्त से बात कर आज कैंप लगाया गया। बावजूद इसके पार्षद ने विरोध कर दिया। समिति के अध्यक्ष विनीत मिश्रा ने कहा– क्षेत्रीय पार्षद कैंप का खुलकर विरोध कर रहे हैं। वह भी इसलिए कि अब तक उनके द्वारा लाखों रुपए की अवैध टैक्स वसूली की गई है।

लखनऊ में हुक्का-पानी और लठ लेकर पहुंचे प्रदेशभर के किसान

गन्ना भुगतान न होने से हैं नाराज, कहा, जिम्मेदार अधिकारी खून पी रहे हैं

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक से जुड़े किसानों ने तीन जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए किसानों ने गन्ना भुगतान की मांग की। गुस्साए किसानों ने खनन निदेशालय, चकबंदी आयोग और चीनी एवं गन्ना आयुक्त निदेशालय का घेराव किया। किसान हुक्का–पानी, राशन और लठ लेकर पहुंचे। गन्ना संस्थान पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। युवा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह ने कहा यह सरकार किसानों को गुमराह कर रही है। लंबे समय से हम लोगों के भुगतान नहीं हो रहा है। पूरे प्रदेश का किसान नाराज है। चौधरी दिगंबर सिंह ने कहा प्रदेश में जितने भी चीनी मिल हैं, उनके भुगतान का कोई अता–पता नहीं है। जब भी भुगतान की बात होती है, तब आयुक्त की तरफ से कहा जाता है इस साल मौका दे दें, अगले साल कर देंगे। उन्होंने कहा इस वर्ष पुराने कमिश्नर चले गए, नए कमिश्नर आए हैं। नए अधिकारी नया पहाड़ा पढ़ा रहे हैं। कब तक हम लोग पहाड़ा पढ़ते रहेंगे? चकबंदी के अंदर भी भ्रष्टाचार है। 60 सालों से अधिक हो गया लोगों को इंसाफ नहीं मिल रहा है। किसानों की जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। चकबंदी विभाग में पहले चोरी होती थी। अब तो डकैती हो रही है। यहां के सभी कर्मचारी प्रॉपर्टी डीलर हो गए हैं। बुंदेलखंड की माइनिंग की बड़ी समस्या है। मुरादाबाद से किसान नेता महेंद्र सिंह रंधावा ने कहा हम लोग परेशान होकर यहां आए हैं। आज गन्ने की खेती इतनी महंगी हो गई है, मगर कोई पूछने वाला नहीं है। हम नुकसान उठाकर गन्ने की खेती कर रहे हैं। फिर भी हमें पेमेंट नहीं मिल रहा है। सरकार हमें बताएं कि क्या बीमारी में हमारा इलाज मुफ्त हो जाएगा? क्या हमारे बच्चे मुफ्त में शिक्षा हासिल कर लेंगे? बेटियों की शादी बिना पैसे के हो जाएगी? क्या हमारे कर्ज बैंक माफ कर देगा? अगर यह सब कुछ नहीं हो सकता, तो हमारा भुगतान क्यों नहीं मिल रहा है? बिना पैसों के हम कैसे अपनी जरूरतें पूरी करें? किसान नेता महेंद्र सिंह रंधावा ने कहा हम लोग अपने साथ राशन, हुक्का, पानी और मच्छरदानी सब लाए हैं। जब तक मांग पर अंतिम मोहर नहीं लग जाती है, यहां से हिलने वाले नहीं हैं। आवश्यकता पड़ी तो और भी किसानों को लखनऊ बुलाया जाएगा।

पीजीआई मे विश्व हाथ स्वच्छता दिवस और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के स्थापना दिवस पर सीएमई का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ द्वारा विश्व हाथ स्वच्छता दिवस और माइक्रोबायोलॉजी विभाग की 37वीं स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में "हैंड हाइजीन और हेल्थकेयर–एसोसिएटेड इन्फेक्शन की रोकथाम में ऑटोमेटेड सिंड्रोमिक पैनल का उपयोग" विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमान निदेशक,प्रो. शालीन कुमार (डीन पीजीआई), प्रो. प्रशांत अग्रवाल (मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, एसजीपीजीआईएमएस), प्रो. रुंगमेई एस.के. मारक (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी पीजीआई), प्रो. सुमित राय (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी, एम्स मंगलगिरि), डॉ. अमरेश कुमार सिंह (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर) और डॉ. विनीता खरे (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी, एरा मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल) भी प्रतिष्ठित अतिथि व वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमान ने सभा को संबोधित करते हुए हाथ स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया और यह बताया कि किसी भी नैदानिक प्रक्रिया के दौरान दस्तानों की बजाय हाथ धोने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

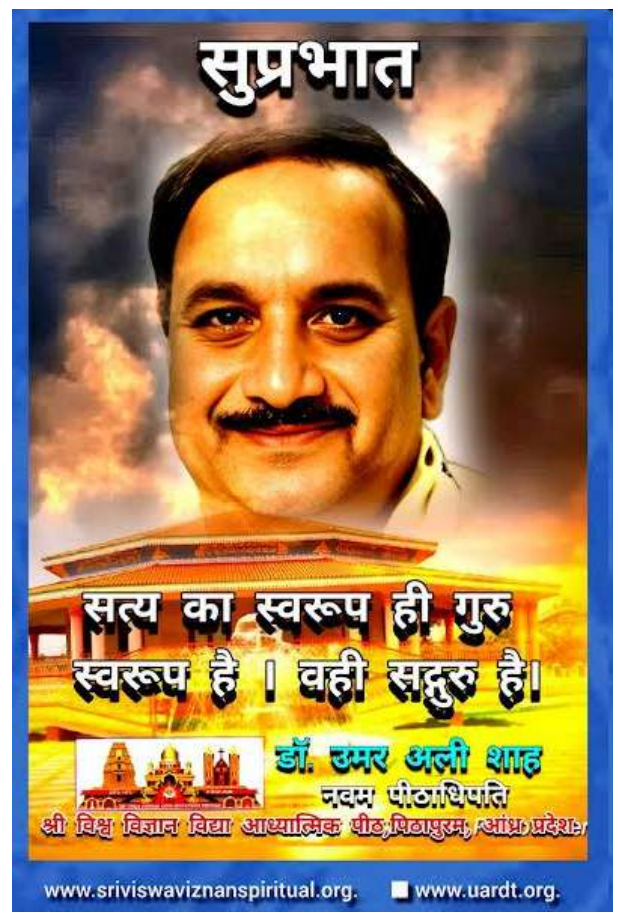

अद्भुत गल्प समाज

(कुण्डलिया)

किस्सो में हिस्सा बने, अद्भुत गल्प समाज।
राह दिखाकर नेक वह,गढ़ते नये रिवाज़।
गढ़ते नये रिवाज़,सदा खुशियों के ख़ातिर।
भरकर सबमें ज्ञान, न कहते ख़ुद को साहिल।
उनकी सुनो प्रदीप,रहें जो बस अपनो में।
पढ़ता जिन्हें समाज, हमेशा से किस्सो में।।

इज्जत उनकी कीजिये, जिनके विमल विचार।
बुरे वक्त में साथ आ,लाते हैं भिनसार।
लाते हैं भिनसार,हमेशा हरि– सेवक बन।
दौलत रखकर पास, नहीं रहते हैं बन ठन।
सुन लो कहें प्रदीप,न होना तुम नतमस्तक।
लेकिन करो जरूर, सभी की मन से इज्जत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रधानाचार्या ने किया पुरस्कृत

सिसौली। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज सिसौली की प्रधानाचार्या प्रियंका वर्मा ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया। विद्यालय में कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम 96 प्रतिशत एवं कक्षा 12सम में 97 प्रतिशत रहा। कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान तनती

(90:) द्वितीय–स्थान देवाशी (85:) एवं तृतीय स्थान शगुन (83:) ने प्राप्त किया। कक्षा 12 में कला वर्ग में प्रथम स्थान तानिया (77:), द्वितीय स्थान सीमा (75:) एव प्रियांशी तृतीय स्थान (73:) ने प्राप्त किया। विज्ञान वर्ग में प्रथम स्थान दिशा (73:) ,द्वितीय स्थान वंशिका (71:) एवं सानिया ने तृतीय स्थान(69:) प्राप्त किया। प्रधानाचार्या प्रियंका वर्मा गतवर्षों की अपेक्षाकृत परीक्षा परिणाम में सुधार को देखते हुए साथी अध्यापिकाओं को बधाई भी दी।

अनाथ गौ सेवा समिति का निर्विरोध हुआ चुनाव

मथुरा। संस्थापक राधा गोविंद पाठक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से अनाथ गौ सेवा समिति का अध्यक्ष राकेश गोयल, महामंत्री – सुदीप बंसल व सुनील गर्ग , कोषाध्यक्ष – हरिओम अग्रवाल, उपाध्यक्ष मदनलाल पान्ड्येय एवं विपिन बिहारी दीक्षित, ऑडिटर संजीव गोयल, मंत्री – गोपाल प्रसाद वर्मा, मिडिया प्रभारी विपिन अग्रवाल का चुना गया। बैठक में संरक्षक मंडल में बच्चन लाल पांडे, नरेश उपाध्याय, कृपा शंकर द्विवेदी ,उमेश अग्रवाल ,ब्रज मुरारी शर्मा,शिव शंकर वर्मा, जगदीश चंद्र अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यकारणी के सम्मानित सदस्य राजेश पाठक, मुरारी प्रसाद अग्रवाल,भानु प्रताप गर्ग, ईश्वर प्रसाद गोयल, नारायण सिंह ने सभी का पदाधिकारी का स्वागत किया।।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना दिनांक: 02.05.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कै.वै., प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे** द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि के 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं:-

क्र.सं.1. ई-निविदा सूचना संख्या: NCR-M-PRYJ-PWP-WR-01-25, **कार्य का नाम:** मुख्यालय/एनसीआर के यांत्रिक शाखा में लकड़ी के वार्डरोब और प्रयागराज, कानपुर, बैठलसी निगरानी केन्द्र के कार्यालयों में पीवीसी वॉल पैनलिंग की स्थापना और कमीशनिंग।

कार्य का अनुमानित लागत (₹)	बिड सिक्योरिटी	कार्य की अवधि
9,98,196.24	20,000.00	06 माह

क्र.सं.2. ई-निविदा सूचना संख्या: NCR-M-PRYJ-HBDL-02-25, **कार्य का नाम:** प्रयागराज डिवीजन के विभिन्न सेक्शन में स्वचालित हॉट एक्सल/बेयरिंग तापमान माप और रिकॉर्डिंग सिस्टम (HBD लाइट) की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग करना।

कार्य का अनुमानित लागत (₹)	बिड सिक्योरिटी	कार्य की अवधि
43,14,653.10	86,300.00	72 माह

क्र.सं.3. ई-निविदा सूचना संख्या: NCR-M-PRYJ-WWS-03-25, **कार्य का नाम:** लकड़ी के वर्क स्टेशन की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग करना।

कार्य का अनुमानित लागत (₹)	बिड सिक्योरिटी	कार्य की अवधि
7,20,437.50	14,400.00	06 माह

उपरोक्त सभी निविदाओं हेतु **निविदा सिस्टम:** सिंगल पैकेट सिस्टम। **ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य। **IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 02.05.2025** तथा **निविदा बंद होने की तिथि: 26.05.2025 है। नोट:** 1. उपरोक्त-ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगा। 2. ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के 15.00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। 4. न्यूनतम पात्रता मानदंड: इस निविदा में लागू नहीं है। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 768/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जातिगत जनगणना के अहम पहलु

भारत में जाति–आधारित आँकड़ा संग्रह का एक लंबा इतिहास है, जिसमें वर्ष 1931 तक की जातियों की सूचना शामिल है। वर्ष 1951 के बाद जातिगत आँकड़ों का संग्रह बंद करने का निर्णय लिया गया ताकि इस विभाजनकारी दृष्टिकोण से बचा जा सके और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा दिया जा सके। हालाँकि, बदलती सामाजिक–राजनीतिक गतिशीलता और सटीक सूचना की आवश्यकता को देखते हुए जातिगत जनगणना का नए सिरे से आह्वान किया जा रहा है।जाति जनगणना के विरोधियों का तर्क है कि जाति–आधारित भेदभाव अवैध है और जातिगत जनगणना जाति व्यवस्था को सबल ही करेगी।उनका मानना है कि लोगों को उनकी जातिगत पहचान के आधार पर वर्गीकृत करने के बजाय सभी नागरिकों के लिये व्यक्तिगत अधिकारों और समान अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिये।आलोचकों का तर्क है कि इससे समाज में भ्रम, विवाद और विभाजन की वृद्धि की स्थिति बन सकती है। यद्यपि जातिगत जनगणना के पक्ष और विपक्ष, दोनों में ही प्रबल तर्क मौजूद हैं, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिये ओबीसीएस एवं अन्य समूहों की आबादी पर सटीक आँकड़े का होना आवश्यक है। जातिगत जनगणना सकारात्मक कार्रवाई नीतियों की प्रभावशीलता की निगरानी करने और भारतीय समाज की एक व्यापक तस्वीर प्रदान करने में भी मदद कर सकती है। नीति निर्माताओं के लिये अधिक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण करने के लिये दोनों पक्षों के तर्कों पर सावधानीपूर्वक विचार करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बहरहाल मोदी सरकार ने जातिवार जनगणना कराने का अप्रत्याशित निर्णय ले लिया। इसके पहले 1931 में अंग्रेजों ने ऐसी जनगणना कराई थी। हालांकि इसकी समय–समय पर मांग होती रही। मनमोहन सरकार ने कुछ क्षेत्रीय दलों के दबाव में 2011 में सर्वेक्षण की शक्ल में सामाजिक–आर्थिक जाति जनगणना कराई, लेकिन गलत आंकड़ों के कारण उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। पिछले कुछ समय से राहुल गांधी जातिवार जनगणना की मांग पर बहुत जोर दे रहे थे। वे इस मामले में सपा, राजद जैसे दलों को भी पीछे छोड़ रहे थे। यह इसलिए हैरान करने वाला था, क्योंकि कांग्रेस कभी भी जातिगत जनगणना के पक्ष में नहीं रही। जनगणना के साथ जातिवार गणना में कोई बुराई नहीं, लेकिन खतरा यह है कि सामाजिक न्याय की बात करने वाले नेता जातिगत जनगणना के जरिये सामाजिक खाई को निश्चित तौर से बढ़ावा देंगे। वैसे भी बिना जातिये जनगणना के जातिगत मतभेद भारत में आम है। कई राजनैतिक दल जातिगत आधार पर ही क्षेत्रीय राजनीति में टिके हुए है। यह खतरा वास्तविक है, क्योंकि कई दल जाति विशेष की बात ही नहीं करते, उन्होंने खुद को कुछ विशेष जातियों के हितैषी दल के रूप में ही उभारा है। वे साफ तौर पर कुछ जातियों को दूसरी जातियों के खिलाफ खड़ा करते हैं। यह सामाजिक न्याय नहीं, अन्याय है। यह राजनीति जातीय विभाजन और जातीय वैमनस्य को बढ़ाती है। ऐसी राजनीति सामाजिक एकजुटता को कमजोर कर सकती है। ऐसा न होने पाए, इसके लिए कुछ जतन करने ही होंगे।आरएसएस ने अवश्य इसका समर्थन किया। तब कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल जाति आधारित जनगणना पर जोर देने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय केंद्रित अपनी पहल बताएगी। अब यक्ष प्रश्न यह है कि जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या फिर जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खोलेगी ? यह बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि जातिगत जनगणना के आंकड़ों का उपयोग किस तरह किया जाता है। चूंकि जाति भारतीय राजनीति की एक सच्चाई है, इसलिए सैद्धांतिक तौर पर यही उचित दिखता है कि जब सामाजिक कल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन में जातियां एक आधार बनती हैं, तब फिर इसके स्पष्ट आंकड़े होने ही चाहिए कि किस जाति के कितने लोग हैं और उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति क्या है। अभी तक अनुसूचित जातियों–जनजातियों की तो गिनती होती रही, लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी की नहीं। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है।इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए।यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। वे अमुक–अमुक जातियों का नेतृत्व करने के लिए केवल जाने ही नहीं जाते, बल्कि ऐसा दावा भी करते हैं। जाति आधारित जनगणना का लाभ है तो हानि भी। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जातिगत जनगणना वंचितों–पिछड़ों के उत्थान में सहायक बने, लेकिन यदि वह विभाजन को बल देती है तो देश की एकजुटता प्रभावित करती है तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं होगा।

टूटे खेती में घाटे की रीत, किसान हों समृद्धि के मीत

संदीप जोशी

कृषि में सुधार लाने के लिये इस सोच को बदलें। खेती से निकला किसान व खेतिहर श्रमिक शहरों की झुग्गियों में बदतर जीवन जीता है। शहरों में फ्लाई ओवर के नीचे सोता नजर आता है। विकास का ये मॉडल कॉरपोरेट को रास आता है। देश की आर्थिक नीतियां भी कॉरपोरेट सोच के अनुरूप हैं।

समय–समय पर खेती–किसानी से जुड़ी आबादी के आंकड़े आते हैं। भारत की मौजूदा आबादी 140 करोड़ है। इसमें से आधी आबादी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर खेती से जुड़ी है। यह आंकड़ा करीब 70 करोड़ है। सरकारी आंकड़े के अनुसार, 46 प्रतिशत लोग खेती में हैं। कृषि क्षेत्र का देश की जीडीपी में 18 प्रतिशत योगदान है। पहले कहा जाता था कि दुनिया में सबसे ज्यादा खेती में जुड़े लोग चीन व भारत में हैं। दुनिया की खेती में लगी आधी आबादी इन देशों की है। लेकिन अब भारत लीड ले रहा है। दरअसल, कॉरपोरेट को तरजीह देने वाली सोच ने किसान को गरीब बनाया है। कहा गया कि देश की ग्रोथ तब होगी, जब खेती पर निर्भर जनसंख्या को कम करके उन्हें शहरों में लाया जाएगा। यानी कृषि की कीमत पर आर्थिक रिफोर्म को प्राथमिकता। ताकि सस्ते श्रमिक कॉरपोरेट को मिल सकें। कॉरपोरेट ने देश में एक सोच बना दी कि आलू–प्याज महंगा होने से आम आदमी का बजट बिगड़ जाएगा। लेकिन मॉल में शॉपिंग से हमारा बजट नहीं बिगड़ता। बेरिस्टा की हो या स्टारबक्स की कॉफी, मॉल में 300 रुपये कीमत लेने पर हमें महंगाई नजर नहीं आती। आलू–प्याज के ही दाम बढ़ने पर हमें महंगाई दिखायी देती है। एक सोचा–समझा मॉडल कि खेती बर्डन है समाज के लिये। कृषि में सुधार लाने के लिये इस सोच को बदलें। खेती से निकला किसान व खेतिहर श्रमिक शहरों की झुग्गियों में बदतर जीवन जीता है। शहरों में फ्लाई ओवर के नीचे सोता नजर आता है। विकास का ये मॉडल कॉरपोरेट को रास आता है। देश की आर्थिक नीतियां भी कॉरपोरेट सोच के अनुरूप हैं। मुख्यधारा के अर्थशास्त्री भी दुनिया के विभिन्न देशों में अपनायी गई नीतियों का कट–पेस्ट करते रहते हैं। पश्चिम में फेल पुराना मॉडल यहां लागू करते हैं। मैने हर बार कहा है कि खेती का संकट खेत में नहीं बल्कि खेत से बाहर है। आर्थिक डिजाइन किसान को पर्याप्त दाम नहीं देता। गांव में आधुनिकीकरण का प्रयास तब सफल होगा जब उसके हाथ में रिसोर्स होंगे। कई बार मैं कहता हूं कि वर्ष 1971 में गेहूं का मूल्य 76 रुपये प्रति कुंतल था। कालांतर 2015 में 45 साल के बाद यह 1450 रुपये हुआ। यह वृद्धि 19 गुना बैठती है। लेकिन इस दौरान आम कर्मचारी की तनख्वाह का बेसिक 120 से 150 प्रतिशत बढ़ा। वहीं प्रोफेसर का वेतन 150 से 170 प्रतिशत बढ़ा। वर्ष 1971 में स्कूल टीचरों का वेतन कम था, ये 1971 के मुकाबले 280 से 220 प्रतिशत बढ़ा। मेरा मानना है कि यदि कर्मचारियों का वेतन 45 साल में 19 प्रतिशत बढ़ता तो आधे लोग नौकरी छोड़ देते या कुछ आत्महत्या कर लेते। लेकिन खेती उसी स्तर पर है। ऐसा नहीं है कि किसान तरक्की नहीं चाहते। एक सर्वे का अकसर उल्लेख करता हूं। वर्ष 2016 में सरकार का एक सर्वे सामने आया था, जिसमें कहा गया कि देश के 17 राज्यों में किसान की सालाना इनकम 20 हजार रुपये है। कुल 17 राज्यों का मतलब है कि आधा देश हो गया। ऐसे में यदि मैं पंजाब में एक गाय पालना चाहूं तो 1700 रुपये प्रतिमाह की आय में यह संभव नहीं होगा। ऐसे में सोचें कि किसान कैसे गुजारा करता होगा। जब किसान की औसत आय इतनी कम है तो तकनीक या उद्योग से किसानों का भला कैसे होगा? शहर में भी यदि बीस हजार तनख्वाह कर दें तो कौन सा चेंज लाया जा सकता है? ये तो किसान के साथ अन्याय है। वहीं दूसरी तरफ यदि किसान टमाटर 10 से 20 रुपये किलो कर दे तो हंगामा हो जाता है। रेहड़ी वाले से हर आदमी मोल–भाव करना चाहता है। दस रुपये है तो आठ लगा लो। लेकिन मॉल में जाकर हम यह नहीं कर पाते। यह सोच हमारे आर्थिक डिजाइन की देन है। सोच बना दी गई है कि यदि लोगों को खेती से निकालकर शहर में नहीं लाते तो देश की तरक्की नहीं हो सकती। गांधी जी कहा करते थे कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। उनकी ग्राम स्वराज की अवधारणा नीति–नियंताओं की समझ में नहीं आती। लेकिन पश्चिमी देशों में विफल रही विश्व बैंक, आईएमएफ आदि की नीतियों को हमारे यहां कट–पेस्ट कर लागू करने को प्राथमिकता दी जाती है। सोच बना दी गई है कि कृषि उपजों का दाम कम होना चाहिए। केवल बाजार में कृषि उत्पादों के ही दाम कम होते हैं। कभी स्कूटर, कार,टीवी व घड़ी आदि के दाम कम होते देखे हैं? यह बात तार्किक नहीं है कि स्टोरेज की व्यवस्था हो जाने से किसान फसल रोककर बाजार के अनुरूप उत्पाद बेचकर मुनाफा कमा लेगा। अमेरिका में तो पर्याप्त स्टोरेज व्यवस्था है फिर वहां किसानों को क्यों घाटा होता है? मेरी बात को एक अमेरिकी किसान ने जायज ठहराया और कहा कि वर्ष 2022 में भी वह मक्का उसी कीमत पर बेच रहा है, जिस दाम में पिताजी 1970 में बेच रहे थे। दरअसल, हम स्टोरेज का बहाना बनाते हैं और किसानों को उसकी उपज का न्यायसंगत दाम नहीं देना चाहते। दरअसल, सरकार की शांता कुमार कमेटी ने 2014 में मुझे बुलाया था। मैं गया और एक बात कही थी कि देश में सरप्लस तीस प्रतिशत अनाज की खरीद पीडीएस आदि के लिये होती है। जिसमें छह प्रतिशत को ही एमएसपी का लाभ मिलता है। जो छोटे किसान हैं, एक एकड़, दो एकड़ वाले, उनके सरप्लस से यह अनुमान लगाया गया। जब विशेषज्ञों से पूछा गया तो किसी से नहीं बताया। इसके अलावा 6 प्रतिशत में भी बड़ी भागीदारी पंजाब व हरियाणा के किसानों की थी, क्योंकि यहां सिस्टम वेल बिल्ट था।

भारत में दलितों पर अत्याचार क्यों होते हैं?

एस आर दारापुरी

ऐतिहासिक रूप से अछूत के रूप में जाने जाने वाले दलित, भारत की जाति पदानुक्रम के सबसे निचले पायदान पर हैं, जिसकी जड़ें प्राचीन हिंदू सामाजिक संरचनाओं में हैं। संवैधानिक सुरक्षा के बावजूद, उन्हें निम्न कारणों से प्रणालीगत भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है।सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में जाति–आधारित भेदभाव जारी है, जिसमें उच्च जाति के समुदाय अक्सर दलितों को हीन समझते हैं। यह बहिष्कार, अपमान और हिंसा में प्रकट होता है।अस्पृश्यता जैसी प्रथाएँ, हालाँकि गैरकानूनी हैं, ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में जारी हैं, जो शारीरिक हमले, यौन हिंसा और सामाजिक बहिष्कार जैसे अत्याचारों को बढ़ावा देती हैं। दलित अक्सर कम वेतन वाले, कलंकित काम करते हैं (जैसे, हाथ से मैला ढोना, कृषि श्रम), जिससे वे संसाधनों और भूमि को नियंत्रित करने वाली प्रमुख जातियों द्वारा शोषण के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। आर्थिक निर्भरता और भूमि स्वामित्व की कमी उनकी शक्तिहीनता को बढ़ाती है, जिससे अधिकारों का दावा करते समय वे हिंसा के शिकार हो जाते हैं। शिक्षा, राजनीतिक भागीदारी या अंतर–जातीय विवाह के माध्यम से समानता के लिए दलितों के दावे अक्सर पारंपरिक पदानुक्रम को बनाए रखने की मांग करने वाली प्रमुख जातियों से प्रतिक्रिया को भड़काते हैं। ऑनर किलिंग या भीड़ हिंसा जैसे अत्याचारों का इस्तेमाल दलित सशक्तिकरण को दबाने के लिए किया जाता है। कुछ पारंपरिक मान्यताएँ और प्रथाएँ जाति पदानुक्रम को मजबूत करती हैं, जो भेदभाव को उचित ठहराती हैं। यह सांस्कृतिक जड़ता दलित विरोधी भावना को बनाए रखती है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में।दलितों को कभी–कभी वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन राजनीतिक दल उनके प्रणालीगत मुद्दों को संबोधित करने में विफल हो सकते हैं, जिससे जाति–आधारित संघर्षों या चुनावों के दौरान उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय प्रशासन के पास दलितों के खिलाफ अत्याचारों को संबोधित करने के लिए कानूनी और संस्थागत तंत्र हैं, लेकिन कार्यान्वयन में खामियाँ बनी हुई हैं। मुख्य पहलुओं में शामिल हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (पी.ओ.ए. अधिनियम)रू यह कानून जाति–आधारित हिंसा, अस्पृश्यता और भेदभाव को अपराध बनाता है, जिसमें सख्त सजा और पीड़ित को मुआवजा देने का प्रावधान है। संवैधानिक सुरक्षा उपायरू अनुच्छेद 15, 17 और 46 भेदभाव को प्रतिबंधित करते हैं, अस्पृश्यता को समाप्त करते हैं और हाशिए पर पड़े समूहों के कल्याण को बढ़ावा देते हैं।विशेष न्यायालयरू नामित न्यायालय पी.ओ.ए. अधिनियम के तहत मुकदमों में तेजी लाते हैं, हालांकि देरी आम बात है।पुलिस को पी.ओ.ए. अधिनियम के तहत तुरंत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज करने और जाति आधारित अपराधों की जांच करने का अधिकार है। पुलिस कर्मियों में पूर्वाग्रह, जो अक्सर प्रभावशाली जातियों से होते हैं, के कारण एफ.आई.आर. दर्ज करने से मना कर दिया जाता है, घटिया जांच की जाती है या पीड़ितों पर मामले वापस लेने का दबाव बनाया जाता है। कमजोर साक्ष्य संग्रह और न्यायिक देरी के कारण कम दोषसिद्धि दर (पी.ओ.ए. अधिनियम के तहत लगभग 25–30:, एन.सी.आर.बी. डेटा के अनुसार) निवारण को कमजोर करती है। जिला सतर्कता और निगरानी समितियाँरू जिला मजिस्ट्रेटों की अध्यक्षता वाली ये संस्थाएँ पी.ओ.ए. अधिनियम के कार्यान्वयन की देखरेख करती हैं और अत्याचार के मामलों की समीक्षा करती हैं। पी.ओ.ए. अधिनियम पीड़ितों के लिए तत्काल वित्तीय सहायता, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा का आदेश देता है, लेकिन वितरण में अक्सर देरी होती है। शिक्षा और सरकारी नौकरियों में सकारात्मक कार्रवाई का उद्देश्य दलितों का उत्थान करना है, जिससे शोषण के प्रति उनकी संवेदनशीलता कम हो।"अम्बेडकर ग्राम विकास कार्यक्रम", और कौशल विकास पहल जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य दलितों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, हालाँकि पहुँच और प्रभाव अलग–अलग हैं।संस्थाओं में जातिगत पूर्वाग्रहरू पुलिस, न्यायपालिका और स्थानीय अधिकारी जातिगत पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे अपराधियों के प्रति नरमी बरती जा सकती है या पीड़ितों को दोषी ठहराया जा सकता है। प्रमुख जाति समूह अक्सर राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हैं, अधिकारियों पर मामलों को कमजोर करने या अपराधियों को बचाने के लिए दबाव डालते हैं। कई दलित, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अपने कानूनी अधिकारों से अनजान हैं या न्याय की मांग करते समय प्रतिशोध से डरते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो डेटा (जैसे, 2022 में पीओए अधिनियम के तहत 50,291 मामले) सामाजिक कलंक और प्रशासनिक उदासीनता के कारण अत्याचारों को कम करके आंकते हैं। अत्यधिक बोझ वाली पुलिस, विशेष न्यायालयों में अपर्याप्त स्टाफिंग और पीड़ितों के समर्थन के लिए सीमित धन प्रभावी कार्यान्वयन में बाधा डालते हैं। अत्याचारों को रोकने के लिए कानूनी प्रवर्तन, सामाजिक सुधार और आर्थिक सशक्तिकरण को मिलाकर बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।पुलिस और न्यायपालिका को संवेदनशील बनाएं, जातिगत गतिशीलता और पीओए अधिनियम पर अनिवार्य प्रशिक्षण, ताकि पक्षपात को समाप्त किया जा सके और एफआईआर पंजीकरण और गहन जांच सुनिश्चित की जा सके। विशेष अदालतों की संख्या बढ़ाएँ और दोषसिद्धि दरों में सुधार करने और अपराधियों को रोकने के लिए मुकदमों के लिए सख्त समयसीमा निर्धारित करें। अपराधों की अस्पष्ट परिभाषा या मुआवजे में देरी जैसी खामियों को दूर करने के लिए अधिनियम में संशोधन करें। प्रमुख जातियों पर आर्थिक निर्भरता को कम करने के लिए भूमिहीन दलितों को भूमि का पुनर्वितरण करें। व्यावसायिक रूढ़ियों को तोड़ने के लिए दलित युवाओं के लिए तैयार किए गए व्यावसायिक प्रशिक्षण और उद्यमिता कार्यक्रमों का विस्तार करें। आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए दलितों के स्वामित्व वाले व्यवसायों को माइक्रोफाइनेंस और सब्सिडी प्रदान करें।जाति विरोधी अभियानरू जातिगत पूर्वाग्रहों को चुनौती देने और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए मीडिया, स्कूलों और सामुदायिक कार्यक्रमों का उपयोग करें। सहानुभूति और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए स्कूल के पाठ्यक्रम में जाति उत्पीड़न और दलितों के योगदान के बारे में पढ़ाएं। जातिगत औचित्य का मुकाबला करने के लिए धार्मिक ग्रंथों की प्रगतिशील व्याख्याओं को प्रोत्साहित करें।दलित संगठनों का समर्थन करेंरू अधिकारों की वकालत करने और अत्याचारों की निगरानी करने के लिए दलितों के नेतृत्व वाले गैर सरकारी संगठनों और आंदोलनों को निधि दें और बढ़ावा दें। दलितों के लिए सामुदायिक केंद्र स्थापित करें ताकि वे भेदभाव के डर के बिना कानूनी सहायता, परामर्श और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। कार्यान्वयन की निगरानी करेंरू पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पीओए अधिनियम के प्रवर्तन और मामले के परिणामों की सार्वजनिक रिपोर्टिंग का नियमित ऑडिट करें। मामले दर्ज करने में विफल रहने या जांच में देरी करने के लिए पुलिस और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराएं। दलितों के लिए रिपोर्टिंग को सुलभ और सुरक्षित बनाने के लिए हेल्पलाइन और स्थानीय शिकायत प्रकोष्ठ स्थापित करें। प्रतिभागियों के लिए कानूनी सुरक्षा के साथ सामाजिक बाधाओं को तोड़ने के लिए अंतर–जातीय विवाह और सामुदायिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दें। आरक्षित सीटों से परे सक्रिय भागीदारी के माध्यम से नीति निर्माण में दलितों की आवाज सुनिश्चित करें। पुलिस और गैर सरकारी संगठनों से जुड़े अत्याचारों की गुमनाम रिपोर्टिंग के लिए ऐप या पोर्टल बनाएँ।

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को

संजीव

समग्र रूप से वैश्विक स्तर पर देखें तो आतंकवाद कई देशों के लिए बड़ा नासूर बन चुका है। भारत में पहलगाम घटना को लिया जाए तो निर्दोष 27 भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या इसका एक बड़ा उदाहरण है वैश्विक परिपेक्ष में देखें तो वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद बहुत बड़ा अवरोध और बड़ी रुकावट है इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए अन्यथा मानवता कराहने लगेगी और ऐसे ही निर्दोष मासूम नागरिकों की हत्या होती रहेगी इनके विरुद्ध कडे से कड़ा कदम उठाकर इनकी जड़े ही खत्म कर देनी चाहिए और आतंकवादियों को चुन चुन कर मारा जाना चाहिए। इसराइल हमास युद्ध किसकी एक बड़ी कड़ी है और अब भारत सरकार भी पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के साथ उनके पालनहारों को भी खत्म करने में लगी हुई है। आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम में विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर–ए–तैयबा ,जैश–ए–मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे–धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न–भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना हैस भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती हैस भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका हैस आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगास वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी हैस आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है।

फैशन डिजाइनर सब्यसाची के डिजाइन किये कपड़ों में नजर आएंगे शाहरुख खान

मशहूर फिल्म अभिनेता शाहरुख खान 'मेट गाला -२०२५' में फैशन डिजाइनर सब्यसाची द्वारा तैयार किए गए परिधान में रेड कार्पेट परनजर आएंगे। ऐसी खबरें थीं कि शाहरुख ने न्यूयॉर्क में 'फैशन शो' के लिए अपने पसंदीदा डिजाइनर के डिजाइन को चुना है और सोमवार सुबह शाहरुख की प्रबंधक पूजा ददलानी ने इसकी पुष्टि की। ददलानी ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर दो पोस्ट की थीं जिसमें सब्यसाची के लेबल के चिन्ह के साथ "किंग खान" और "किंग खान. बंगाल टाइगर" लिखा था। बाद में सब्यसाची के आधिकारिक 'इंस्टाग्राम पेज' पर भी यही पोस्ट साझा की गई।

शाहरुख और पूजा के शनिवार को न्यूयॉर्क पहुंचने

ब्रांड के इंस्टाग्राम पेज पर रविवार को एक स्टोरी पोस्ट की गई जिसका शीर्षक "नमस्ते न्यूयॉर्क" था। शाहरुख और पूजा के शनिवार को न्यूयॉर्क पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। शाहरुख खान के अलावा, भारतीय अभिनेता दिलजीत दोसांझ और कियारा आडवाणी भी इस साल के मेट गाला में शुरुआत करने जा रहे हैं। मेट गाला एक फैशन कार्यक्रम है जो हर साल न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट के लिए धन जुटाने के लिए आयोजित किया जाता है। यह एक बहुत ही प्रतिष्ठित और ग्लैमरस फैशन कार्यक्रम है, जिसमें कई हस्तियां और फैशन जगत के लोग भाग लेते हैं।

रेड कार्पेट पर क्या उम्मीद करें

थीम को देखते हुए, शार्प सिल्हूट, डिकंस्ट्रक्टेड सूटिंग और क्लासिक टेलरिंग पर अप्रत्याशित स्पिन कार्पेट पर हावी रहेंगे। फैशन में लिंग की तरलता का जश्न मनाया जाएगा, और हम पारंपरिक भारतीय परिधान जैसे बंदगला और साड़ियों को भविष्य के रूपों में सिलते हुए देख सकते हैं। एक्सेसरीज़ में संभवतः ब्रोच, कफ़लिंक और टोपी शामिल होंगे – जो डैंडी सौंदर्यशास्त्र को फिर से परिभाषित करेंगे। और अन्ना विंटोर के अभी भी मजबूती से नियंत्रण में होने के कारण, कार्पेट पर सैन्य सटीकता, डिनर पर न्यूनतम छोटी–छोटी बातें और अपने दांतों में बिल्कुल भी अजमोद न होने की उम्मीद करें।

मेट गाला 2025 मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में अपने प्रसिद्ध रेड कार्पेट को तैयार करने के लिए तैयार है, और इस साल, यह सब ग्लैमर, सटीक सिलाई और बेबाक भव्यता के बारे में है। इस साल की थीम, ''टेलर्ड फॉर यू'', द कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट की नई प्रदर्शनी, सुपरफाइन : टेलरिंग ब्लैक स्टाइल के साथ मेल खाती है, जो दशकों से ब्लैक डैंडीज्म की सांस्कृतिक गहराई और ब्लैक डिजाइनरों की सावधानीपूर्वक शिल्प कौशल का जश्न मनाती है। यह कार्यक्रम 5 मई (भारत में 6 मई) को होगा।

सब्यसाची के डिजाइन किये कपड़ों में नजर आएंगे शाहरुख खान

मशहूर फिल्म अभिनेता शाहरुख खान 'मेट गाला –2025' में फैशन डिजाइनर सब्यसाची द्वारा तैयार किए गए परिधान में रेड कार्पेट परनजर आएंगे। ऐसी खबरें थीं कि शाहरुख ने न्यूयॉर्क में 'फैशन शो' के लिए अपने पसंदीदा डिजाइनर के डिजाइन को चुना है और सोमवार सुबह शाहरुख की

ऑफ शोल्डर मोनोकिनी पहन अवनीत कौर ने इंटरनेट पर लगाई आग, तस्वीरें देख मर–मिटे फैंस

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली अवनीत कौर इन दिनों अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। इसके साथ उन्होंने ब्लैक ट्रांसपेरेंट लैगिंग और मैचिंग हाई हील्स कैरी की हैं, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रही हैं। अपने आउटफिट को संतुलित करते हुए अवनीत ने व्हाइट पर्ल नेकलेस और मैचिंग ईयर स्टड्स पहन रखे हैं। उन्होंने ग्लॉसी मेकअप और खुले बालों के साथ अपने लुक को पूरा किया है। कुछ तस्वीरों में अवनीत ने मोनोकिनी के साथ ब्लैक रफल श्रग भी पहना है, जो उनके पूरे लुक में एलीगेंस का टच जोड़ता है। इस लुक में उन्होंने अलग–अलग एंगल से कैमरे के सामने पोज दिए दृ कभी बैठकर, कभी खड़े होकर और कभी लेटकर। अवनीत की ये तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही छा गईं। उनके फैंस लगातार कमेंट्स कर उनकी तारीफ कर रहे हैं। किसी ने लिखा, मस्त है।, तो किसी ने कहा, हमेशा की तरह खूबसूरत। वहीं एक यूजर ने कमेंट किया–गॉर्जियस और ग्लैमरस। टीवी सीरियल्स से अपनी पहचान बनाने वाली अवनीत अब बॉलीवुड में भी अपनी जगह पक्की कर रही हैं। उनकी फैन फॉलोइंग दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है और सोशल मीडिया पर उनका हर अंदाज चर्चा में रहता है।

मस्जिद को खोदेंगे तो मंदिर मिलेगा, मंदिर को खोदेंगे तो., इस मशहूर अभिनेता ने केंद्र सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता प्रकाश राज ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सरकारी नीतियों, धार्मिक विवादों और लोकतंत्र में सवाल पूछने के अधिकार को लेकर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने साफ कहा कि वह किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि समाज में बढ़ रही असमानता और नफरत के खिलाफ अपनी आवाज उठा रहे हैं। प्रकाश राज का कहना है कि वह सरकार से सवाल पूछना अपना लोकतांत्रिक अधिकार मानते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के नागरिक को यह हक है कि वह सत्ता से जवाब मांगे और गलत नीतियों का विरोध करे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आलोचना करना किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। धार्मिक स्थलों को लेकर चल रहे विवादों पर प्रकाश राज ने अपनी बात रखते हुए कहा–अगर आप किसी मस्जिद को खोदेंगे तो मंदिर मिलेगा, मंदिर को खोदेंगे तो बुद्ध मिल सकते हैं। आखिर कहां तक खोदते रहेंगे? उन्होंने आगे कहा कि इतिहास को बार–बार कुरेदने से समाज बंटता है, जबकि असली जरूरत है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे जरूरी मुद्दों पर बात करें। प्रकाश राज ने कुछ ऐतिहासिक हस्तियों पर बार–बार होने वाली चर्चाओं पर चुटकी लेते हुए कहा–नेहरू जब मरे, मैं पैदा भी नहीं हुआ था। औरंगजेब से मेरा क्या लेना देना? टीपू सुल्तान से मेरा क्या लेना देना? आज के सवालों का जवाब चाहिए, इतिहास में खोदने से क्या मिलेगा? उन्होंने साफ किया कि वह किसी भी पार्टी या सरकार के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अगर कोई नीति लोगों को बांटने का काम करती है, तो उस पर सवाल उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मंदिर–मस्जिद की राजनीति से देश को कोई लाभ नहीं होने वाला, बल्कि इससे समाज में नफरत बढ़ती है। प्रकाश राज ने कहा कि एक कलाकार होने के नाते उनकी जिम्मेदारी है कि वे समाज को आईना दिखाएं और सोचने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने युवाओं से अपील की कि किसी भी मुद्दे पर आंख मूंदकर विश्वास न करें, बल्कि तथ्यों को समझें और सोच–समझकर निर्णय लें। अंत में, उन्होंने देशवासियों से कहा कि धर्म, जाति और भाषा के नाम पर बंटने के बजाय हमें एकजुट होकर देश की तरक्की के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने सरकार से भी आग्रह किया कि वो ऐसी नीतियां बनाए, जो समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलें। प्रकाश राज के इन बयानों ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। कुछ लोग उनके विचारों का समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ आलोचना कर रहे हैं। लेकिन एक बात तो साफ है– उन्होंने सवाल पूछकर लोकतंत्र की जड़ें हिलाने की नहीं, बल्कि मजबूत करने की कोशिश की है।

लगा थप्पड़ मार दूं..पड़ोसी की इस हरकत पर चढ़ा वीर दास का पारा, ट्वीट कर बताई पूरी बात

बॉलीवुड एक्टर और कॉमेडियन वीर दास अक्सर अपनी बेबाक टिप्पणियों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहते हैं। वो जरा सी भी लापरवाही या घटिया हरकत को नहीं देख पाते और अपने मन की भड़ास निकाल देते हैं। अब हाल ही वीर दास ने अपने पड़ोसी की हरकत पर गुस्सा भड़क गया, जो डिलीवरी बॉय संग बदतमीजी से पेश आ रहा था। कॉमेडियन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर पड़ोसी की हरकत की जमकर निंदा की। वीर दास ने अपनी पोस्ट में लिखा, पड़ोस वाली बिल्डिंग से किसी को एक डिलीवरी बॉय पर चिल्लाते सुना। वो बस 10 मिनट लेट था। ऐसा गुस्सा आया कि लगा किसी थप्पड़ मार दूं। मुंबई में एक आम डिलीवरी बॉय अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी पर जैसे द मार्शियन फिल्म का सीन दोहरा रहा होता है। थोड़ा तो सब्र रखें। वीर दास का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया और यूजर्स इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आए। एक यूजर ने लिखा, "जब आधी सड़कें खोदी हुई हैं तब समय पर डिलीवरी की उम्मीद करना अमानवीय है।" दूसरे ने कहा, "हमें उन लोगों का आभार मानना चाहिए जो हमारी जिंदगी को आसान बनाते हैं। कृतज्ञता के बिना इंसान हमेशा छोटा ही रहेगा।" तो किसी ने लिखा, "ऐसे लोग अपनी हताशा को सही जगह निकालने की हिम्मत नहीं रखते, इसलिए इन बेचारे डिलीवरी वर्कर्स पर गुस्सा उतारते हैं। शर्मनाक।"वीर दास ने बॉ अपने करियर की शुरुआत 2007 में फिल्म नमस्ते लंदन में एक छोटे से किरदार से की थी। इसके बाद वह फिल्म मुंबई साल्सा (2007) और लव आज कल (2009) जैसी फिल्मों में नजर आए। उनकी कॉमेडी और एक्टिंग का असली जलवा 2011 में दिल्ली बेली में दिखा। इसके अलावा मस्तीजादे (2016) और पटेल की पंजाबी शादी (2017) में भी उनके काम को खूब पसंद किया गया था।

हाउस अरेस्ट वेब शो को लेकर चल रहे विवाद के बीच अभिनेता एजाज खान पर बलात्कार का मामला दर्ज

उल्लू ऐप पर अश्लील कंटेंट दिखाने का आरोप लगने के बाद से ही अभिनेता एजाज खान मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मामला उसके शो हाउस अरेस्ट से जुड़ा है, जिसमें अश्लील दृश्य दिखाए जाने के कारण उसे हिरासत में लिया गया है। शुक्रवार को बजरंग दल ने शो के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद मुंबई की अंबोली पुलिस ने उल्लू ऐप के मैनेजर का बयान दर्ज किया। अब पुलिस शो के होस्ट एक्टर एजाज खान पर रेप का भी आरोप लगा है। महाराष्ट्र पुलिस ने अभिनेता एजाज खान के खिलाफ रविवार को एक महिला को फिल्मोद्योग में कदम रखने में मदद करने का झांसा देकर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने का मामला दर्ज किया। एक अधिकारी ने यहज जानकारी दी। चारकोप पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 30 साल की एक महिला ने हाल में शिकायत दर्ज कराई थी कि एजाज ने फिल्मों में भूमिका दिलाने में मदद करने का वादा करके उसके साथ कई जगहों पर बलात्कार किया। अधिकारी के मुताबिक, अभिनेता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की दुष्कर्म से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपों की जांच की जा रही है। इससे पहले, एजाज के खिलाफ उल्लू ऐप पर प्रसारित वेब शो 'हाउस अरेस्ट' की कथित अश्लील सामग्री को लेकर मामला दर्ज किया गया था। हाल ही में एजाज खान को लेकर यह पहला विवाद नहीं है। इससे पहले, बजरंग दल के कार्यकर्ता गौतम रावरिया ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने शो श्हाउस अरेस्टश पर महिलाओं को अभद्र तरीके से पेश करने और अश्लील सामग्री प्रसारित करने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब एक वीडियो क्लिप वायरल हुई जिसमें एजाज खान महिलाओं सहित प्रतियोगियों पर अंतरंग कार्य करने और कैमरे पर यौन मुद्राएँ दिखाने का दबाव डालते हुए दिखाई दिए, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया। मुंबई पुलिस ने खान, निर्माता राजकुमार पांडे और अन्य लोगों पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया, जो अश्लील सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन या प्रसारण को दंडित करता है। इस धारा के तहत पहली बार दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की जेल और 5 लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है, बार–बार अपराध करने पर कठोर दंड लगाया जा सकता है।

प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक महत्व और मनोरंजन का अद्भुत संगम है जुबिली पार्क

झारखंड के जमशेदपुर शहर के हृदय में स्थित जुबिली पार्क, प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक महत्व और मनोरंजन का अद्भुत संगम है। यह पार्क टाटा स्टील द्वारा 1958 में कंपनी की स्वर्ण जयंती के अवसर पर शहरवासियों को उपहार स्वरूप दिया गया था। लगभग 225 एकड़ में फैला यह पार्क, हर आयु वर्ग के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

प्रमुख आकर्षण

टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्करू यह चिड़ियाघर बाघ, शेर, हाथी, बंदर और सरीसृपों सहित 200 से अधिक प्रजातियों का घर है ।

रोज़ गार्डनः यहाँ विभिन्न रंगों और आकारों के हजारों गुलाबों की प्रजातियाँ देखी जा सकती हैं, जो ब्रिंदावन गार्डन, मैसूर से प्रेरित हैं ।

जयन्ती सरोवरः यह सुंदर झील नौका विहार और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

निक्को जुबिली एम्यूज़मेंट पार्कः बच्चों और परिवारों के लिए रोमांचक झूलों और जल क्रीड़ा का आनंद लेने का स्थान ।

स्मृति उद्यानः यह उद्यान टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की स्मृति में बनाया गया है, जहाँ उनकी प्रतिमा भी स्थित है।

विशेष आयोजन

हर वर्ष 3 मार्च को टाटा फाउंडर डे के अवसर पर पार्क को भव्य रूप से सजाया जाता है। इस दिन पार्क में लाइट और साउंड शो, लेज़र फाउंटेन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जो पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होते हैं।

समय और प्रवेश शुल्क

समयः प्रत्येक दिन सुबह 7रू00 बजे से शाम 7रू00 बजे तक खुला रहता है।

प्रवेश शुल्कः पार्क में प्रवेश निःशुल्क है।

कैसे पहुँचें

रेल द्वाराः नजदीकी रेलवे स्टेशन टाटानगर जंक्शन है, जो देश के प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग सेः जमशेदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 33 से जुड़ा हुआ है, जिससे रांची, पटना, कोलकाता आदि शहरों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

वायु मार्ग सेः निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो लगभग 140 किमी दूर स्थित है ।

यात्रा सुझाव

आरामदायक जूते पहनें और पानी की बोतल साथ रखें।

सुबह या शाम के समय भ्रमण करें ताकि गर्मी से बचा जा सके।

पार्क की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और कचरा निर्धारित स्थानों पर ही फेंकें।

जुबिली पार्क न केवल जमशेदपुर की शान है, बल्कि यह झारखंड के पर्यटन मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक महत्व और विविध मनोरंजन के अवसरों के कारण यह पार्क पर्यटकों के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

गर्मी में शिशुओं को हीट रैश से कैसे बचाएं? फॉलो करें ये आसान टिप्स

गर्मी का मौसम आते ही बच्चों की देखभाल में विशेष ध्यान देना जरूरी हो जाता है, खासकर शिशुओं की। छोटे बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक और संवेदनशील होती है, इसलिए गर्मी में उन्हें हीट रैश यानी घमौरियों की समस्या जल्दी हो जाती है। हीट रैश की वजह से शिशुओं की स्किन पर लाल धब्बे, जलन, खुजली और छाले हो सकते हैं, जिससे उन्हें बहुत असहज महसूस होता है। पेरेंट्स के लिए यह समझना मुश्किल हो सकता है कि बच्चा क्यों परेशान है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं, आप कुछ सरल घरेलू उपाय अपनाकर अपने शिशु को इस गर्मी में हीट रैश से बचा सकते हैं।

शिशु की त्वचा को सूखा रखें

गर्मी में पसीना और नमी ही हीट रैश का सबसे बड़ा कारण होते हैं। इसलिए कोशिश करें कि शिशु की त्वचा हमेशा सूखी रहे। अगर पसीना आए, तो साफ और मुलायम सूती कपड़े से हल्के हाथों से पोंछें। शिशु को हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनाएं, जिससे हवा आसानी से अंदर जा सके। तंग या सिंथेटिक कपड़े बिलकुल न पहनाएं।

शिशु को ठंडा रखें

शिशु का शरीर गर्मी में जल्दी ओवरहीट हो सकता है। इसे रोकने के लिए, शिशु को पंखे या एसी वाले ठंडे और हवादार कमरे में रखें। सीधी धूप से बचाएं और बाहर ले जाते समय पूरी तैयारी करें। ऐसे कपड़े पहनाएं जो शरीर को ठंडा रखें और पसीना सोख सकें।

डायपर समय–समय पर बदलें

गर्मी में डायपर की नमी से रैशेज होने की संभावना ज्यादा होती है। समय–समय पर डायपर बदलें और शिशु को थोड़ा समय डायपर फ्री रखें। हर बार डायपर बदलने पर त्वचा को साफ और सूखा करें। जहां तक हो सके, दिन में कुछ घंटों के लिए डायपर न पहनाएं।

भारी क्रीम या लोशन से बचें

गर्मी में शिशु की त्वचा पर हैवी क्रीम या लोशन लगाने से पसीना अंदर फंस सकता है। इससे रैश और खुजली की समस्या हो सकती है। नहाने के बाद हल्का नारियल तेल या कोई नेचुरल तेल लगाएं। स्किन को सांस लेने दें, भारी प्रोडक्ट्स से बचें।

शिशु को बार–बार नहलाएं

गर्मी में दिन में एक से दो बार सामान्य पानी से स्नान कराना फायदेमंद होता है। नहाने से स्किन की गंदगी और पसीना साफ हो जाता है। इससे रैश होने की संभावना कम होती है। नहाने के बाद शिशु की स्किन को हल्के हाथों से सुखाएं और नेचुरल तेल लगाएं।

शिशु को पर्याप्त पानी और तरल दें

अगर शिशु ठोस आहार लेने लगा है, तो उसे पर्याप्त मात्रा में पानी दें। गर्मी में डिहाइड्रेशन भी रैश और स्किन की समस्याओं का कारण बन सकता है। स्तनपान करने वाले बच्चों को बार–बार फीड कराएं। तरबूज, खीरा, पपीता जैसे हाइड्रेटिंग फल भी दे सकते हैं (उम्र अनुसार)।

घमौरी और शरीर में गर्मी क्यों होती है, घमौरी तब होती है जब पसीने की ग्रंथियां ब्लॉक हो जाती हैं और पसीना स्किन के अंदर फंस जाता है। इसके कारण स्किन पर लाल चकत्ते, खुजली और जलन होती है।

शरीर में ज्यादा गर्मी क्यों होती है?

शरीर में ज्यादा गर्मी के कारण हो सकते हैं, धूप में ज्यादा रहना, थायरॉयड या अन्य हॉर्मोनल समस्याएं, संक्रमण, व्यायाम के दौरान शरीर का अधिक गर्म होना। शरीर में ज्यादा गर्मी के लक्षण क्या हैं? ज्यादा पसीना आना, थकावट और चक्कर आना, जी मिचलाना या सिरदर्द, मांसपेशियों में ऐंठन

गर्मी के मौसम में शिशु की त्वचा की देखभाल करना थोड़ी मेहनत भरा जरूर होता है, लेकिन अगर आप ऊपर दिए गए टिप्स अपनाते हैं, तो शिशु को हीट रैश, घमौरी और अन्य समस्याओं से आसानी से बचाया जा सकता है।

सुहागरात से पहले कर लें ये टेस्ट वरना जिंदगी भर पड़ेगा पछताना!

शादी जिंदगी का सबसे अहम फैसला होता है। यह दो लोगों का नहीं बल्कि दो परिवारों का रिश्ता होता है इसलिए जरूरी है कि इस फैसले को बहुत सोच–समझकर लिया जाए। अक्सर लोग अपने मनपसंद जीवनसाथी को तो चुन लेते हैं लेकिन एक जरूरी चीज को नजरअंदाज कर देते हैं और वो है स्वास्थ्य जांच। इसे लेकर ज्यादातर लोग लापरवाह ही रहते हैं।

क्यों जरूरी हैं मेडिकल टेस्ट?

शादी से पहले मेडिकल टेस्ट कराना बहुत जरूरी होता है, ताकि यह पता चल सके कि किसी पार्टनर को कोई गंभीर या छिपी बीमारी तो नहीं है। कई बीमारियां ऐसी होती हैं जो शरीर में बिना लक्षण के होती हैं और आगे चलकर रिश्ते को प्रभावित कर सकती हैं। खासतौर पर वे बीमारियां जो शारीरिक संबंध के जरिए फैलती हैं। अगर कोई बीमारी पहले से ही है तो उसका समय पर इलाज किया जा सकता है और दूसरे पार्टनर को सुरक्षित रखा जा सकता है। गायनेकोलॉजिस्ट और एक्सपर्ट डॉक्टर के अनुसार, "शादी केवल एक सामाजिक बंधन नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। अगर कपल्स शादी की भागदौड़ में मेडिकल टेस्ट न कर पाएं, तो कम से कम सुहागरात से पहले ये जरूरी टेस्ट जरूर करवा लें। इससे भविष्य में आने वाली समस्याओं से बचा जा सकता है।"

शादी से पहले करवाएं ये 5 जरूरी मेडिकल टेस्ट

1. सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शन टेस्ट

यह टेस्ट सबसे जरूरी है।

कई बार शरीर में सेक्स इंफेक्शन के लक्षण नहीं दिखते लेकिन बीमारी मौजूद होती है।

अगर किसी एक पार्टनर को एसटीआई है, तो शारीरिक संबंध से वह दूसरे में भी फैल सकता है।

इसलिए शादी या संबंध बनाने से पहले यह जांच जरूर करवाएं।

2. जेनेटिक टेस्ट

यह टेस्ट कपल्स को यह जानने में मदद करता है कि उनके बच्चों को कोई जेनेटिक बीमारी हो सकती है या नहीं।

कुछ बीमारियां जैसे थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और सिस्टिक फाइब्रोसिस आनुवंशिक होती हैं।

यह टेस्ट खासकर तब जरूरी होता है जब फैमिली हिस्ट्री में ऐसी बीमारियां रही हों।

3. फर्टिलिटी टेस्ट

बहुत से कपल्स को यह अंदाजा नहीं होता कि उनकी फर्टिलिटी कमजोर हो चुकी है।

शादी के बाद संतान सुख की योजना से पहले यह जानना जरूरी है कि प्रजनन क्षमता सामान्य है या नहीं।

यह टेस्ट पुरुष और महिला दोनों को करवाना चाहिए।

4. मानसिक स्वास्थ्य जांच

मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहना किसी भी रिश्ते के लिए बेहद जरूरी है।

स्ट्रेस, डिप्रेशन या एंजायटी जैसी समस्याएं रिश्तों में तनाव ला सकती हैं।

अगर कोई मेंटल हेल्थ इश्यू है, तो शादी से पहले उसका इलाज जरूरी है।

5. ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल टेस्ट

डायबिटीज और हार्ट डिजीज जैसी बीमारियों का समय रहते पता लगाना जरूरी है।

जिन लोगों की फैमिली में इन बीमारियों का इतिहास हो, उन्हें खासतौर पर ये टेस्ट करवाना चाहिए।

इससे समय पर इलाज किया जा सकता है और आगे की जटिलताओं से बचा जा सकता है।

याद रखें ये बात

शादी सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि जिंदगीभर का साथ होता है। इसलिए जरूरी है कि हम भावनाओं के साथ–साथ स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दें। ऊपर बताए गए मेडिकल टेस्ट आपकी शादीशुदा जिंदगी को बेहतर, सुरक्षित और खुशहाल बना सकते हैं।

इस खास ड्रिंक के सेवन से दूर होंगी पीरियड से जुड़ी सभी मुश्किलें, एक्सपर्ट से जानें इसके फायदे

बढ़ती उम्र के साथ ही महिलाओं के शरीर में हार्मोन्स और पीरियड साइकिल में भी कई बदलाव देखने को मिलते हैं। बढ़ती उम्र के साथ मूड स्विंग्स होना, पीरियड फ्लो कम होना या बढ़ना या फिर दर्द अधिक होना समेत कई चीजें होती हैं। जोकि महिलाओं को बढ़ती उम्र के साथ पीरियड्स के समय महसूस हो सकती है। शरीर में उम्र के साथ होने वाले हार्मोनल उतार–चढ़ाव की वजह से ऐसा होता है। खासकर 40 के आसपास की उम्र में महिलाओं के शरीर में कई हार्मोनल बदलाव होते हैं। हालांकि ऐसा पेरिमेनोपॉज की वजह से भी होता है। अगर आपकी उम्र भी 40 के आसपास है और आप इन समस्याओं से परेशान हैं। तो आपको घी, अदरक, दालचीनी और कुछ खास चीजों से मिलकर बनने वाली खास ड्रिंक का सेवन करना चाहिए। यह ड्रिंक आपकी कई समस्याओं को आसान बना सकती हैं।

सामग्री

जीरा– आधा टीस्पून

दालचीनी– 1 छोटा टुकड़ा

अदरक– आधा इंच

हल्दी– 1 चुटकी

मिश्री– चौथाई टीस्पून

घी– चौथाई टीस्पून

ऐसे बनाएं ये खास ड्रिंक

सबसे पहले एक पैन में पानी डालें और पानी में जीरा डालकर उबालें। फिर इसमें अदरक, हल्दी और दालचीनी डालकर 2–3 मिनट तक उबालें। फिर जब उबलने लगे तो इसमें मिश्री डालकर उबालें। इसके बाद इसको एक कप में छान लें और घी मिलाएं। फिर इसको धीरे–धीरे पिएं।

अपनाएं ये देसी नुस्खा

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो पीरियड्स से जुड़ी सारी मुश्किलों का हल घी में छिपा होता है। घी हार्मोन प्रोडक्शन को सपोर्ट करता है और दिमाग को शांत करने के साथ ही मूड स्विंग्स कम करता है।

घी में हेल्दी फैटी एसिड्स मौजूद होता है। जो पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद कर सकता है। घी पीसीओडी के लक्षणों को भी कम करने में सहायक होता है।

इस खास ड्रिंक से पीरियड्स के दिनों में होने वाले फ्लो को मैनेज करने में सहायता मिलती है। आयुर्वेद में भी इसको बहुत फायदेमंद माना गया है और यह पीरियड्स को भी नियमित करता है।

हार्मोन्स को बैलेंस करने और पीरियड क्रैम्प्स को कम करने में जीरा सहायता कर सकता है। जीरा में मौजूद गुणों की वजह से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं भी मैनेज होती हैं और यह पीरियड के दिनों में होने वाली ब्लोटिंग की समस्या से भी राहत दिलाता है।

अदरक पीरियड पेन और थकान को भी कम करती है और इसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यह ऐंठन और इंफ्लेमेशन को भी कम कर सकती है।

हल्दी में कर्क्युमिन पाया जाता है, जोकि पेल्किव इंफेक्शन को कम करती है और आपके मूड को बैलेंस करती है।

वहीं मिश्री डायजेशन को बेहतर करने, मूड सुधारने और दर्द को कम करने में मदद करती है।

दालचीनी में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो मूड स्विंग्स को कम करती है। साथ ही यह पीरियड को नियमित बनाती है और इससे क्रैंप्स भी कम होते हैं।

संक्षिप्त

सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 387 अंक चढ़ा

विदेशी कोषों के सतत प्रवाह, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अमेरिकी बाजारों में मजबूती के रुख के बीच सोमवार को स्थानीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 386.95 अंक चढ़कर 80,888.94 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 114.05 अंक की बढ़त के साथ 24,460.75 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, टाइटन और टाटा मोटर्स के शेयर लाभ में थे। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में करीब छह प्रतिशत की गिरावट आई। मार्च तिमाही में बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 7.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,933 करोड़ रुपये रहा है। सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी और नेस्ले के शेयर नुकसान में थे। जनवरी–मार्च तिमाही में भारतीय स्टेट बैंक के एकीकृत शुद्ध लाभ में 8.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इससे शुरुआती कारोबार में भारतीय स्टेट बैंक का शेयर दो प्रतिशत टूट गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,769.81 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

रुपया शुरुआती कारोबार में 39 पैसे की बढ़त के साथ 84.18 प्रति डॉलर पर

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 39 पैसे बढ़कर 84.18 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी निवेशकों की भारतीय संपत्तियों में रुचि बने रहने से स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया

84.45 प्रति डॉलर पर खुला और 84.47 के निचले स्तर तक गया। बाद में यह 39 पैसे की बढ़त के साथ 84.18 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। शुक्रवार को, रुपये में भारी उतार–चढ़ाव देखा गया और एक समय यह 84 प्रति डॉलर के सात माह के उच्चस्तर पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में इसने अपना सारा लाभ गंवा दिया और तीन पैसे के नुकसान के साथ 84.57 डॉलर प्रति डॉलर पर बंद हुआ। छह अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.76 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 3.59 प्रतिशत गिरकर 59.09 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

तनाव बढ़ने से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को लगेगा झटका, भारत की आर्थिक वृद्धि पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली। मूडीज ने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से देश की आर्थिक गतिविधियों में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को झटका लगेगा, क्योंकि उसके विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ सकता है और आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की पाकिस्तान से व्यापारिक साझेदारी बहुत कम है (2024 में कुल निर्यात का 0.5 फीसदी से भी कम), इसलिए भारत की आर्थिक गतिविधियों में कोई बड़ा व्यवधान नहीं आने की संभावना नहीं है। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे। भारत ने हमल के लिए पांच आतंकियों को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें तीन पाकिस्तानी नागरिक हैं। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है। मूडीज ने कहा, अगर पाकिस्तान भारत के साथ लगातार तनाव में बना रहता है, तो यह उसकी अर्थव्यवस्था और सरकार के वित्तीय सुधारके प्रयासों को कमजोर करेगा। इससे पाकिस्तान की मौद्रिक स्थिरता को झटका लगेगा। पाकिस्तान के हालात में हाल ही में सुधार हो रहा था। थोड़ा आर्थिक वृद्धि हुई थी, महंगाई में कमी देखी गई थी और विदेशी मुद्रा भंडार में भी बढ़ोतरी देखी गई थी, क्योंकि पाकिस्तान आईएमएफ कार्यक्रम में प्रगति कर रहा था।

पाकिस्तान को फंडिंग मिलने में आ सकती हैं दिक्कतें

हालांकि, मूडीज ने चेतावनी दी कि अगर तनाव जारी रहा,तो पाकिस्तान को बाहरी फंडिंग मिलने में दिक्कत आ सकती है। उसका विदेशी मुद्रा भंडार दबाव में आ सकता है, जो कि अगले कुछ सालों में बाहरी कर्ज चुकाने के लिए पर्याप्त नहीं है। आईएमएफ का कार्यकारी बोर्ड 9 मई को पाकिस्तान में बैठक करेगा, जिसमें वह 1.3 अरब डॉलर के नए ऋण पर चर्चा करेगा। साथ ही 7 अरब डॉलर के पुराने ऋण पैकेज की समीक्षा होगी।

मजबूत बनी रहेगी भारत की आर्थिक स्थिति

भारत ने संकेत दिया है कि वह आईएमएफ और अन्य वैश्विक संस्थानों से पाकिस्तान को मिलने वाली मदद पर पुनर्विचार की मांग करेगा। मूडीज ने कहा कि भारत की आर्थिक स्थित स्थिर बनी रहेगी, क्योंकि सार्वजनिक निवेश मजबूत है और निजी उपभोग अच्छा है और विकास दर उच्च स्तर पर बनी हुई है। हालांकि, मूडीज ने यह भी कहा कि अगर तनाव बढ़ता है तो भारत को रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है, जिससे वित्तीय घाटा बढ़ सकता है और वित्तीय सुधार की गति धीमी हो सकती है।

कौन सी टीम सबसे ज्यादा बार प्लेऑफ में पहुंची? टॉप तीन में शामिल आरसीबी के नाम है ये अनचाहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में प्लेऑफ की जंग दिलचस्प हो चली है। 54 मैच खेले जा चुके हैं और अब तक सिर्फ दो टीमें– चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई है। आठ टीमें अब भी अंतिम–चार में पहुंचने की दौड़ में हैं। अब तक सबसे ज्यादा बार प्लेऑफ में पहुंचने का रिकॉर्ड पांच बार की चौंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के नाम है, लेकिन यह टीम इस साल सबसे आखिरी 10वें स्थान पर है। वहीं, दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस है। तीसरे स्थान पर रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद और पांचवें स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है। हालांकि, शीर्ष पांच में एक आरसीबी ही है, जिसके नाम अनचाहा रिकॉर्ड है। शीर्ष पांच टीमों में आरसीबी ही एकमात्र टीम है, जिसने अभी तक एक भी बार आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। आइए जानते हैं...

1. चेन्नई सुपर किंग्स

सीएसके की टीम आईपीएल के प्लेऑफ में 12 बार पहुंच चुकी है। इनमें से पांच बार टीम ने खिताब भी अपने नाम किया है। टीम 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में खिताब जीत चुकी है। सभी खिताब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में आए हैं। सीएसके के नाम प्लेऑफ में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड भी है। उसने प्लेऑफ में 26 मैच खेले हैं और 17 में जीत हासिल की है। नौ मैचों में टीम को हार मिली है।

2. मुंबई इंडियंस

मुंबई इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। यह टीम 10 बार प्लेऑफ में पहुंच चुकी है और इसमें से खिताब पांच बार जीत चुकी है। मुंबई ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब जीता था और यह सभी खिताब रोहित शर्मा की कप्तानी में आए थे। हालांकि, इस बार भी टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल संभावना है। मुंबई ने प्लेऑफ में चेन्नई के बाद दूसरे सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। इस टीम ने प्लेऑफ में 20 मैच खेले हैं और 13 में जीत हासिल की है। सात में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

3. रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु

आरसीबी सबसे ज्यादा बार प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम है। यह टीम अभी तक नौ बार प्लेऑफ में पहुंची है, लेकिन कभी खिताब नहीं जीत सकी है। टीम के इस बार भी प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल संभावना है। क्या इस बार यह टीम जीत का सूखा खत्म कर पाएगी? यह तो वक्त ही बताएगा। पिछले सीजन आरसीबी को एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स ने हराया था। आरसीबी का प्लेऑफ में रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। टीम अंतिम चार में 15 मैच खेल चुकी है और इसमें से सिर्फ पांच मैच जीते हैं। 10 मैचों में आरसीबी को हार का सामना करना पड़ा है।

4. सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद की टीम अब तक प्लेऑफ में नौ बार पहुंच चुकी है और इनमें से दो बार खिताब जीती है। सनराइजर्स से पहले डेक्कन चार्जर्स की फ्रेंचाइजी एडम गिलक्रिस्ट की कप्तानी में 2009 में खिताब अपने नाम किया था। सनराइजर्स की टीम 2016 में डेविड वॉर्नर की कप्तानी में खिताब जीती थी। पिछली बार टीम पैट कमिंस की कप्तानी में फाइनल में तो पहुंची लेकिन उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने हरा दिया था। सनराइजर्स हैदराबाद ने प्लेऑफ में 14 मैच खेले हैं और छह मैच जीते हैं। आठ मैचों में एसआरएच को हार का सामना करना पड़ा है। इस बार सनराइजर्स की टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना कम है।

5. कोलकाता नाइट राइडर्स

केकेआर की टीम प्लेऑफ में आठ बार पहुंची है। इसमें से तीन बार 2012, 2014 और 2024 में टीम खिताब जीतने में कामयाब रही है। दो खिताब गंभीर की कप्तानी में और एक श्रेयस अय्यर की कप्तानी में केकेआर ने अपने नाम किए हैं। हालांकि, केकेआर का प्लेऑफ में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। 15 मैचों में टीम 10 मैच जीत चुकी है। पांच में केकेआर को हार मिली है। हालांकि, इस बार टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी जूझना पड़ रहा है।

दिल्ली और सनराइजर्स की टक्कर, हैदराबाद ने चोटिल रविचंद्रन की जगह इस भारतीय खिलाड़ी को किया शामिल

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2025 में बाकी बचे मैचों के लिए चोटिल होने के कारण बाहर होने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज स्मरण रविचंद्रन की जगह ऑलराउंडर हर्ष दुबे को टीम में शामिल किया है। घरेलू क्रिकेट में विदर्भ की तरफ से खेलने वाले दुबे को सनराइजर्स ने 30 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा है। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 16 टी20, 20 लिस्ट ए मैच और 18 प्रथम श्रेणी खेले हैं। उन्होंने सभी प्रारूपों में 127 विकेट और 941 रन बनाए हैं। इस साल की शुरुआत में उन्हें रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 476 रन बनाए और 69 विकेट लिए। कर्नाटक के बाएं हाथ के बल्लेबाज 21 वर्षीय स्मरण को पिछले महीने घायल एडम जैम्पा की जगह टीम में शामिल किया गया था। हैदराबाद की टीम अब तक प्लेऑफ की रेस से बाहर तो नहीं हुई है, लेकिन उन पर तलवार लटकी हुई है। एक भी मैच में हार उनका सफर समाप्त कर देगी। हैदराबाद ने अब तक 10 मैचों में तीन मैच जीते हैं, जबकि सात में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। टीम के छह अंक हैं और –1.192 के नेट रन रेट के साथ टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। इससे पहले पंजाब किंग्स को ग्लेन मैक्सवेल का रिप्लेसमेंट मिल गया है। टीम ने रविवार को मिच ओवेन को चोटिल मैक्सवेल का रिप्लेसमेंट बनाया। ओवेन बिग बैश लीग 2024/25 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। मैक्सवेल चोट की वजह से पंजाब के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए। मैक्सवेल की अंगुली में चोट लगी थी। स्कैन करने पर पता चला कि मैक्सवेल की अंगुली टूट गई है। ओवर बिग बैश के पिछले सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने 11 मैचों में 45.20 की औसत से 452 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 203.60 का रहा था। ओवेन ने 35 चौके और 36 छक्के लगाए थे। 108 रन उनका उच्चतम स्कोर रहा था। पिछले सीजन ओवेन ने तीन विकेट भी लिए थे।

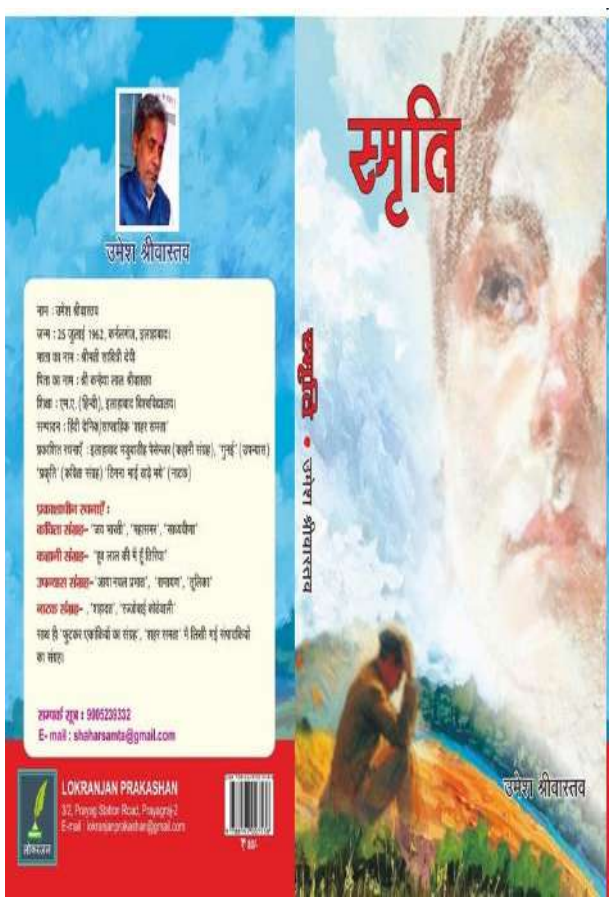

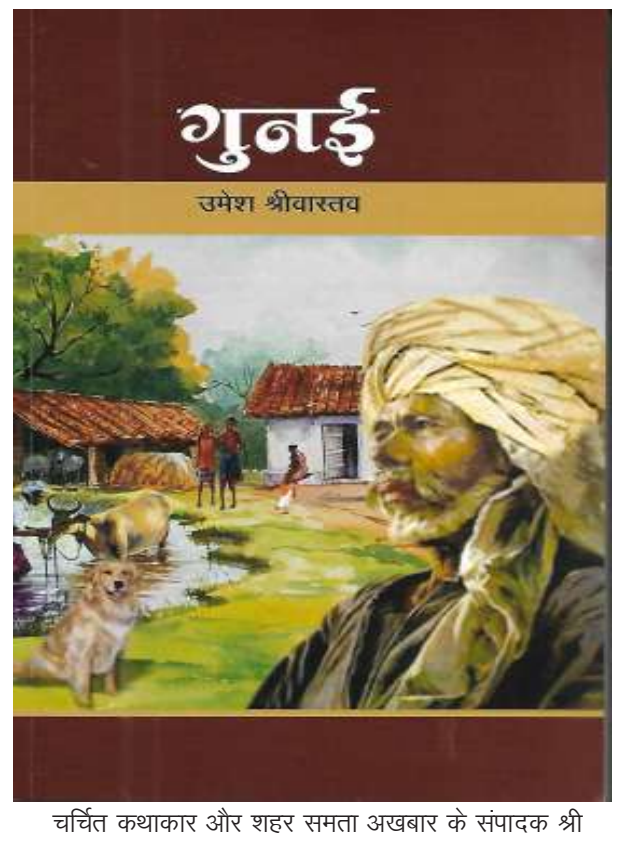

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

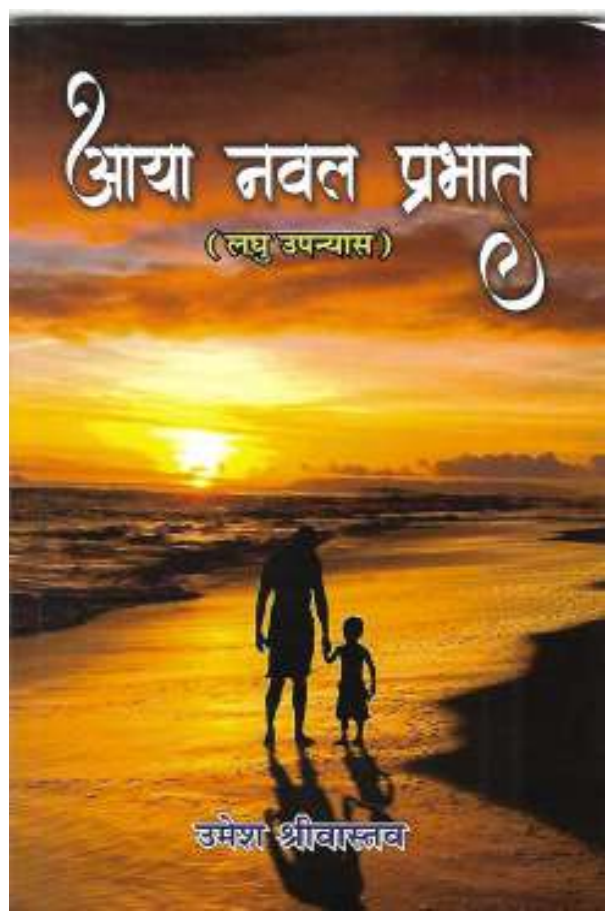

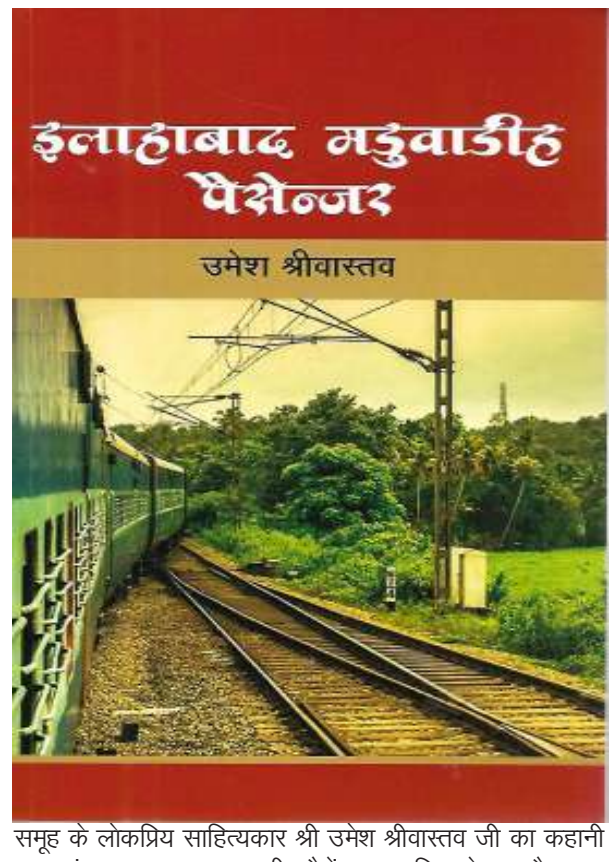

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

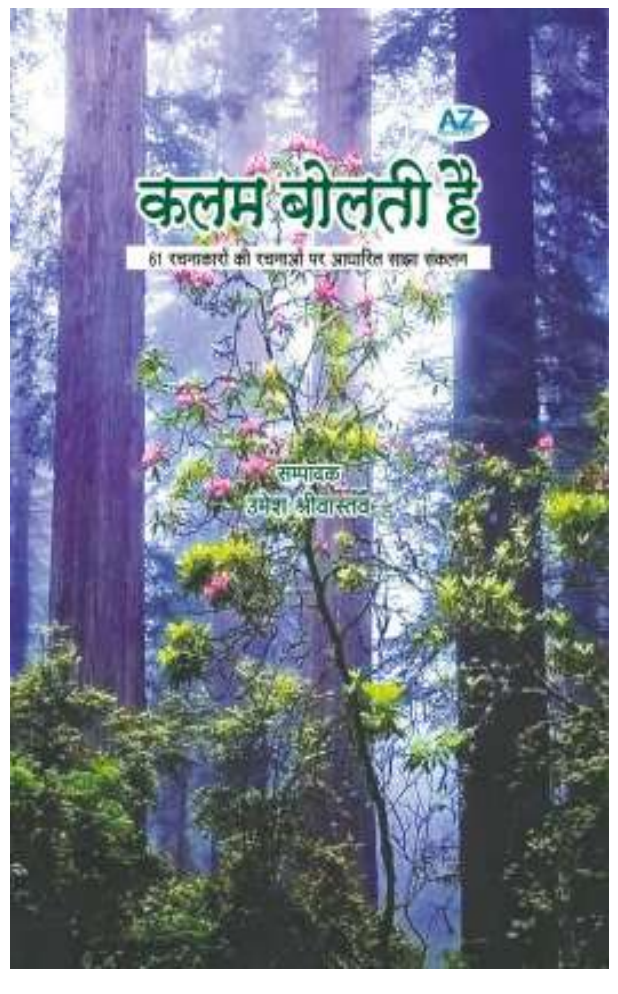

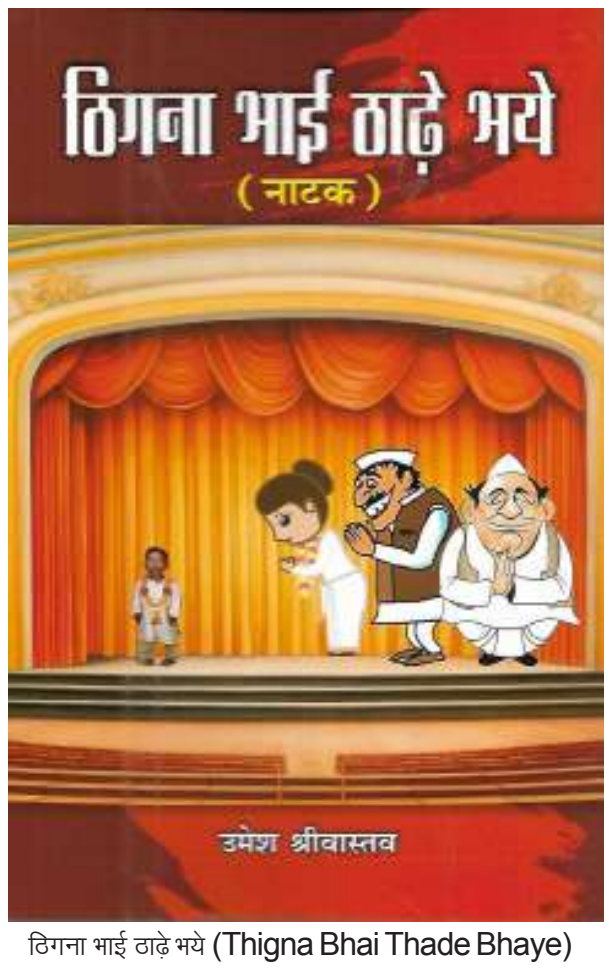

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पेरू की सोने की खदान से अपहृत 13 श्रमिक मृत पाए गए

पेरू में सोने की प्रमुख खदान से करीब एक सप्ताह पहले अपहृत किए गए 13 सुरक्षा गार्ड के शव रविवार को बरामद किए गए। उनकी मौत ऐसे समय में हुई है, जब दक्षिण अमेरिकी देश के महत्वपूर्ण खनन उद्योग में हिंसा बढ़ गई है। पेरू के गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। सोने की खदान, ला पोडेरोसा की ओर से कहा गया कि खोज और बचाव दल ने रविवार को खदान में कर्मचारियों के शव बरामद किए। कंपनी ने उनके अपहरण का आरोप अनौपचारिक खनन

कर्मियों पर लगाया, जो कथित तौर पर आपराधिक गिरोहों से जुड़े थे। आरोप है कि इन खनन कर्मियों ने 26 अप्रैल को सोने की खदान पर घात लगाकर हमला किया था। पेरू के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि उसने इन जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष पुलिस बल तैनात किया है। पेरू की राजधानी लीमा स्थित निजी कंपनी ला पोडेरोसा ने कहा कि पेरू के सुदूर उत्तर–पश्चिमी शहर पाटाज़ में खदान पर नियंत्रण के लिए लड़ रहे आपराधिक समूहों ने 1980 में कंपनी के परिचालन शुरू करने के बाद से अब तक कंपनी के 39 श्रमिकों की हत्या कर दी है, जिनमें वर्तमान में मारे गए 13 श्रमिक भी शामिल हैं। दिसंबर 2023 में अवैध खनिकों ने इसी पोडेरोसा खदान पर विस्फोटकों से हमला किया, जिसमें नौ लोग मारे गए और 15 घायल हो गए। हमलों के मद्देनजर जवाब में ला पोडेरोसा ने अधिक संख्या सुरक्षा गार्ड भेजे।

ईरान ने ठोस ईंधन वाली नयी बैलिस्टिक मिसाइल का अनावरण किया : खबरें

अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका की धमकियों की पृष्ठभूमि में ईरान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को देश की ठोस ईंधन वाली नयी बैलिस्टिक मिसाइल का अनावरण किया। सरकारी टीवी ने यह जानकारी दी। ईरान के रक्षा मंत्री जनरल अजीज नसीरजादेह के साथ एक साक्षात्कार के दौरान सरकारी टीवी पर ''कासिम बशीर'' बैलिस्टिक मिसाइल की झलक दिखाई गई। उन्होंने कहा कि इसमें रक्षा की कई परतों को भेदने और एंटी–बैलिस्टिक रक्षा प्रणालियों से आसानी से बच निकलने के लिए मार्गदर्शन एवं मिसाइल के मार्ग बदलने की क्षमता में सुधार किया गया है। मिसाइल का हालिया परीक्षण 17 अप्रैल को किया गया था। सरकारी टीवी ने बताया कि मिसाइल की मारक क्षमता कम से कम 1,200 किलोमीटर है। इसने यह भी कहा कि मिसाइल 'जीपीएस' (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) मार्गदर्शन के बिना और सटीकता के साथ कई लक्ष्यों में से एक लक्ष्य को पहचान कर उस पर हमला कर सकती है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक मई को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर हूतियों को दिए जाने वाले ईरान के समर्थन को लेकर चेतावनी दी थी, जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए नसीरजादेह ने कहा कि अगर अमेरिका या इजराइल युद्ध शुरू करते हैं, तो ईरान आवश्यकता पड़ने पर उनके हितों, ठिकानों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाएगा ''चाहे वे जहां कहीं भी हों।'' यमन के हूतियों द्वारा इजराइल पर हाल में किए गए मिसाइल हमले के बारे में नसीरजादेह ने कहा कि यमन एक स्वतंत्र राष्ट्र है जो अपने निर्णय खुद लेता है। उन्होंने ईरान को वहां संघर्ष से जोड़ने के अमेरिकी प्रयासों को खारिज कर दिया। मिसाइल की यह घोषणा हूतियों द्वारा इजराइल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच की गई है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हूतियों और उनके ईरानी समर्थकों दोनों के खिलाफ महत्वपूर्ण जवाबी कार्रवाई का संकल्प जताया है।

अब ट्रंप की देश के बाहर बनी फिल्म पर 100 प्रतिशत का शुल्क लगाने की धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब देश के बाहर बनी फिल्म (मूवी) पर 100 प्रतिशत का शुल्क लगाने की धमकी दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर रविवार रात को एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय को "हमारे देश में आने वाली विदेशी जमीन में बनी किसी भी फिल्म पर 100 प्रतिशत का शुल्क लगाने के लिए अधिकृत किया है। उन्होंने लिखा, "अमेरिका में फिल्म उद्योग बहुत तेजी से मर रहा है।" उन्होंने कहा कि अन्य देश "फिल्म निर्माताओं और स्टूडियो को अमेरिका से दूर करने के लिए सभी प्रकार के प्रोत्साहन दे रहे हैं।"

अल्लाह का नाम लेकर पाकिस्तान ने दागी मिसाइल, फिर अचानक ये हुआ

पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसने अब्दाली नाम के एक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। ये मिसाइल भारत को डराने के लिए दागी गई है। मिसाइल दाग कर पाकिस्तानियों ने अल्लाह हू अकबर और नारे तकमीम जैसे नारे लगाए। पाकिस्तानी मिसाइल दाग कर धार्मिक नारे लगा रहे हैं। वैसे इस मिसाइल को देखकर भुखमरी में जी रहे करोड़ों पाकिस्तानी भी तालियां बजा रहे हैं, जिन्हें ये तक नहीं पता कि आज रात का खाना नसीब हो पाएगा या नहीं। पाकिस्तान भारत को लगातार उकसा रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

रूस में बैठकर भारत के खिलाफ पाकिस्तान रच रहा साजिश ? सर्गेई लावरोव ने जयशंकर को लगा दिया फोन

पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की साजिश एकबार फिर बेनकाब हो चुकी है। अब रूस भी इस तनाव को लेकर एक्टिव हो गया है। रूस के विदेश मंत्री सरगोई लावरोव ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर को फोन किया था। लेकिन रूस की अपील से भारत का रुख बदलने वाला नहीं है। दरअसल, पाकिस्तान ने भारत के साथ बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक हस्तक्षेप के लिए रूस का रुख किया है। मॉस्को में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने स्थिति को कम करने में औपचारिक रूप से रूस की सहायता मांगी है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी जो द्वारा प्रकाशित होने वाले एक साक्षात्कार में बोलते हुए राजदूत जमाली ने पाकिस्तान के साथ मजबूत संबंधों को बनाए रखते हुए भारत के एक विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदार के रूप में मास्को की स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने उम्मीद जताई कि रूस इस दोहरे संबंध का लाभ उठाकर रचनात्मक मध्यस्थता की भूमिका निभा सकता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने 1966 में ताशकंद वार्ता के दौरान किया था, जिसने भारत और पाकिस्तान के बीच सशस्त्र संघर्ष को समाप्त करने में मदद की थी। इस बीच, शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अपने फोन कॉल के दौरान, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दोनों पक्षों से पहलगाम हमले के बाद 1972 के शिमला समझौते और 1999 के लाहौर घोषणापत्र की भावना के अनुसार तनाव कम करने का आग्रह किया, जो तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना द्विपक्षीय रूप से मुद्दों को हल करने का प्रावधान करता है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी लावरोव के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। बयान में कहा गया कि डार ने लावरोव को हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों से अवगत कराया। विदेश कार्यालय ने कहा कि लावरोव ने स्थिति पर चिंता व्यक्त की और मुद्दों को हल करने के लिए कूटनीति के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को संयम बरतना चाहिए और तनाव को बढ़ने से रोकना चाहिए। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि जम्मू और कश्मीर में 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में गिरावट आई थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, जो 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था।

पहलगाम आतंकी हमला

22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे और एक दर्जन से ज़्यादा लोग घायल हो गए। 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद यह सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक है। आतंकी हमले के बाद सुरक्षा बलों ने ज़िम्मेदार आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। हमले के बाद से सुरक्षा बढ़ा दी गई है, इलाके से मिली तस्वीरों में आम तौर पर चहल–पहल वाले पर्यटक इलाके की सड़कें सुनसान दिखाई दे रही हैं।

चीन के दक्षिण–पश्चिमी हिस्से में तूफान के कारण नौकाएं पलटीं, नौ लोगों की मौत

दक्षिण–पश्चिमी चीन के गुइझोउ प्रांत में अचानक आए तेज तूफान के चलते वू नदी में चार पर्यटक नावें पलट गईं, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता है। चीन के सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, रविवार दोपहर में गुइझोउ के एक दर्शनीय स्थल पर तेज हवाओं के कारण यह हादसा हुआ। इस दौरान 80 से अधिक लोग नौकाओं से नदी में गिर गए। शरुआती खबरों में दो नावों के पलटने की जानकारी दी गई थी, लेकिन बाद में सीसीटीवी और शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने पुष्टि की कि इस दुर्घटना में कुल चार नावें पलट गईं। यह स्पष्ट नहीं है कि अन्य दो नावों पर भी कोई पीड़ित था या नहीं। वू नदी, चीन की सबसे लंबी नदी यांग्त्जी की सहायक नदी है। गुइझोउ की पहाड़ियां और नदियां देश–विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, और फिलहाल वहां पांच दिवसीय राष्ट्रीय अवकाश के चलते भारी संख्या में सैलानी पहुंचे हुए हैं। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए लापता व्यक्ति की तलाश और घायलों के इलाज में "हरसंभव प्रयास" का आह्वान किया है। सरकार परिवहन क्षेत्र में मौत के मामलों को कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन अधिक भार, रख–रखाव की कमी और सुरक्षा उपायों के अभाव के चलते छुट्टियों के दौरान हादसों में बढ़ोतरी देखी गई है। सीसीटीवी के अनुसार दुर्घटना में शामिल दो नावों में लगभग 40–40 लोग सवार थे। नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार नहीं थे। एक चश्मदीद ने सरकारी अखबार 'बीजिंग न्यूज' को बताया कि नदी की गहराई अधिक थी, लेकिन कुछ लोग तैरकर किनारे तक पहुंचने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि तूफान अचानक आया और घना कोहरा फैलने से नदी की सतह दिखाई नहीं दे रही थी।

राफेल को जाम कर दिया! खौफ से बौखला गए पाकिस्तान के मंत्री

पहलगाम में कायराना हमले के बाद हिंदुस्तान की तरफ से न तो एक भी गोली चलाई गई, न एक भी बम चलाया गया और न ही एक भी मिसाइल दागी गई। लेकिन राफेल ने एलओसी के नजदीक जाकर जरूर रेकी की थी। जिसके बाद से ही पाकिस्तान के होश उड़े हुए हैं। राफेल फ्रेंच भाषा का शब्द है इसका शाब्दिक

अर्थ है हवा का तेज झोंका। लेकिन पाकिस्तान व उसके वजीर–ए–आला के लिए इसका अर्थ है डर का तेज झोंका। इसी डरक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की बौखलाहट खुलकर सामने आई है। बौखलाहट में उन्होंने राफेल को लेकर एक अजब गजब दावा कर दिया है। आए दिन पाकिस्तान की तरफ से चाहे वहां के मंत्री हो या नेता कुछ बेतुके बयान दिए जा रहे हैं। उसी कड़ी में जंग से पहले की ख्वाजा आसिम खौफ में नजर आ रहे हैं। राफेल की तारीफ पर ख्वाजा आसिम भड़क गए हैं। एक अमेरिकी टीवी चौनल पर बैठकर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ कह चुके हैं कि पाकिस्तान तीन दशक से आंतकवाद को पालने का काम कर रहा है। मतलब इसे एक तरह का कबूलनामा कह सकते हैं कि पहलगाम में जो कुछ भी हुआ वो पाकिस्तान के आंतकवादियों ने करवाया। पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने भी ये माना कि हमारे यहां आतंकवाद को पाला–पोसा जाता है। अब तो हद ही हो गई जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने ये दावा कर दिया कि हमने राफेल को जाम कर दिया। पाकिस्तान जैसा पिद्दी देश जिसके बाद दो दिन से ज्यादा का गोला बारूद नहीं है। डीजल तक नहीं है कि अपने टैंकों को बॉर्डर तक लेकर आ सके। लेकिन इनके पास ऐसी टेक्नोलाजी आ गई है कि वो राफेल को जाम कर सके। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) जे–10सीई लड़ाकू जेटकेजी 600 जैमिंग पॉड से लैस हैं। उसने कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास गश्त कर रहे चार भारतीय वायु सेना (आईएएफ) राफेल जेट के रडार और संचार प्रणालियों को सफलतापूर्वक बाधित कर दिया। यह दावा, जिसमें सुझाव दिया गया था कि चीनी निर्मित जे–10सीई ने राफेल के उन्नत थेल्स आरबीई2 एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (एईएसए) रडार को दबा दिया, ने सोशल मीडिया और रक्षा विश्लेषकों के बीच व्यापक संदेह और उपहास को जन्म दिया। आलोचकों ने राफेल के स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सूट की तकनीकी श्रेष्ठता की ओर इशारा किया और पाकिस्तान के दावों को अतिरंजित प्रचार के रूप में खारिज कर दिया कथित मुठभेड़ 22 अप्रैल, 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच हुई, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए और भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को इसके लिए दोषी ठहराया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने दावा किया कि इलेक्ट्रॉनिक काउंटरमेशर्स– संभवतः झळ600 जैमिंग पॉड का उपयोग करने वाले श्र–10ब्र जेट ने राफेल को रडार और संचार क्षमताओं को खोने के लिए मजबूर किया, जिससे उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। एक्स जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर प्रवर्धित यह दावा पाकिस्तान की सैन्य शक्ति और उसके चीनी–आपूर्ति वाले हार्डवेयर की प्रभावशीलता को प्रोजेक्ट करने के लिए था। हालाँकि, इस मामले पर भारत की चुप्पी और रक्षा विशेषज्ञों और नेटिज़न्स द्वारा तेजी से किए गए खंडन ने कथा पर संदेह पैदा किया, जिसमें कई लोगों ने इसे तथ्यात्मक विवरण के बजाय घरेलू मनोबल बढ़ाने वाली रणनीति के रूप में लेबल किया।

भारत की कार्रवाई से डरा पाकिस्तान, सेना और सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सरकार और सेना ने भारत से तनाव के हालात पर राजनीतिक पार्टियों को हालात की जानकारी दी। इस दौरान पाकिस्तान की सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता मौजूद रहे, सिर्फ इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस बैठक से जुड़े। बैठक को पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी और सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने संबोधित किया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य भारत से जारी तनाव की जानकारी राजनीतिक पार्टियों को देना था और उनका फीडबैक लेना था। इस बैठक में पाकिस्तान पीपल्स पार्टी की तरफ से उसके नेता राजा परवेज अशरफ, कमर जमां कैरा, शाजिया मरी शामिल हुईं। पीएमएल–एन की तरफ से बैरिस्टर अकील और तारिक फजल चौधरी, तलाल चौधरी, पीएम के सलाहकार परवेज खटक, एमक्यूएम–पी की तरफ से फारुख सत्तार, कश्मीरी नेता शाह गुलाम कादिर और अन्य शामिल हुए। इससे पहले पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस बैठक में शामिल न होने का फैसला किया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत बढ़ा हुआ है और पाकिस्तान को भारत द्वारा सैन्य कार्रवाई का डर है। बैठक से पहले पीटीआई (पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ) ने बयान जारी कर कहा कि श्यह बैठक सिर्फ सरकार की ब्रीफिंग भर है और इसमें आपसी समझ बनाने की कोई गंभीर कोशिश नहीं होगी। न ही इसमें इमरान खान समेत अन्य बड़े नेता शामिल हो रहे हैं।

खालिस्तान समर्थकों ने नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जयशंकर के पुतले की परेड निकाली

पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा पोषित खालिस्तानी गुंडों ने कनाडा के माल्टन गुरुद्वारे में भारतीय प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और गृह मंत्री के पुतले के साथ हिंदू विरोधी परेड का आयोजन किया। खालिस्तानियों ने कनाडा से हिंदुओं को वापस भेजने की मांग भी की। बता दें कि मार्क कार्नी के कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत के खिलाफ पहली बड़ी साजिश देखने को मिली है। यह परेड टोरंटो के माल्टन गुरुद्वारे के बाहर हुई। यह घटना सिख

विरासत माह के दौरान हुई है, जब पूरे कनाडा में खालसा दिवस परेड आयोजित की जाती है। इस तरह की घटनाओं पर कनाडा सरकार की प्रतिक्रिया अभी तक नहीं आई है। इंडो–कनाडाई समूहों ने ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में खालसा दिवस परेड के दौरान दिए गए भाषण पर नाराजगी व्यक्त की है, जिसमें समुदाय को देश से बाहर निकालने का आह्वान किया गया है। यह भाषण खालिस्तान समर्थक प्रचार की झांकियों की पृष्ठभूमि में दिया गया था, जिसमें पाकिस्तान समर्थक और भारत विरोधी बैनर शामिल थे। भड़काऊ बयान की निंदा करते हुए, कनाडाई हिंदू चौंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा कि इतिहास हमें सिखाता है कि सामूहिक निष्कासन के आह्वान से अकल्पनीय कार्य होते हैं। इस खतरनाक बयानबाजी की सभी नेताओं द्वारा निंदा की जानी चाहिए। समुदाय के नेताओं ने बताया कि देश में लगभग 1.8 मिलियन भारये कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोगों की रणनीति है, जिनमें से कई ने कनाडा की शरण और आव्रजन प्रणालियों का फायदा उठाया है, देश में प्रवेश करने और हिंसा को वित्तपोषित करने, बढ़ावा देने और महिमामंडित करने वाले नेटवर्क बनाने के लिए उत्पीड़न के झूठे दावे पेश किए हैं।तीय–कनाडाई हैं, जिनमें से लगभग 800,000 या आठ लाख हिंदू हैं।

स्पेन में केबल चोरी होने से हाई–स्पीड ट्रेनें प्रभावित, हजारों यात्री परेशान

मैड्रिड। स्पेन में केबल चोरी होने से कई हाई–स्पीड ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। देरी की वजह से हजारों यात्री परेशान हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, स्पेन के हजारों रेल यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। मैड्रिड और सेविले के बीच हाई–स्पीड लाइन के सिग्नलिंग सिस्टम में इस्तेमाल की जाने वाली केबल चार स्थानों पर चोरी हो गई। स्पेनिश रेल अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि चोरी रविवार देर रात हुई। इस वजह से मैड्रिड और एंडालुसिया के बीच यात्रा करने वाली दर्जनों ट्रेनों के पहिए थम गए।

इस समय सप्ताहांत की वजह से घूमने गए हुए थे और अब वापस राजधानी में घर लौट रहे थे। सोमवार को स्पेन के सरकारी स्वामित्व वाले रेल ऑपरेटर रेनफे ने मैड्रिड के एटोचा स्टेशन से सुबह 8 बजे से पहले रवाना होने वाली ट्रेनों के यात्रियों से कहा कि वे भीड़ से बचने के लिए जल्दी न पहुंचें। स्पेन की रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी एडीआईएफ ने एक्स पर बताया कि मध्य स्पेन के टोलेडो में हाई–स्पीड लाइन पर चार स्थानों पर केबल चोरी की घटना हुई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।